जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 13 सितम्बर, 2025

विचार बिन्दु

कर्मों की आवाज़ शब्दों से ऊंची होती है। –कहावत

जल संरक्षण हेतु सरकारी योजनाएं : राजस्थान की दिशा और देश के लिए प्रेरणा

राजस्थान सदियों से जल संकट से जूझता रहा है। विशाल थार मरुस्थल, औसतन मात्र 500 मिलीमीटर वार्षिक वर्षा, और भूजल का अनियंत्रित दोहन – ये सभी कारक मिलकर इस प्रदेश के लिए पानी को सबसे बड़ी चुनौती बना चुके हैं। यहां पानी केवल जीवन की आवश्यकता नहीं बल्कि अस्तित्व का सवाल है। राजस्थान की संस्कृति और परंपरा ने सदैव पानी को विशेष महत्व दिया है। इसी कारण यहाँ की वास्तुकला में बावड़ी, टांका, नाड़ी और जोहड़ जैसी जल संरचनाएँ दिखाई देती हैं। इन पारंपरिक स्त्रोतों ने सदियों तक समाज की प्यास बुझाई, लेकिन आधुनिकता और लापरवाही ने इन्हें उपेक्षित कर दिया। आज जब जल संकट विकराल रूप ले चुका है, तब केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर अनेक योजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास कर रही हैं।

स्वतंत्रता के बाद राजस्थान में सबसे बड़े स्तर पर जल प्रबंधन के लिए इंदिरा गांधी नहर परियोजना लाई गई। इसने जैसलमेर, बीकानेर और जोधपुर जैसे सूखे क्षेत्रों में हरियाली और खेती को संभव बनाया। लेकिन बढ़ती आबादी और औद्योगिकीकरण के दबाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल नहरों या बड़े बांधों से समस्या का समाधान नहीं होगा। जल संकट से निपटने के लिए छोटे स्तर पर सामुदायिक भागीदारी से जल संरक्षण को बढ़ावा देना आवश्यक है। यही सोच राजस्थान की अनेक योजनाओं की आधारशिला बनी।

राजस्थान सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पहल रही मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना का उद्देश्य था – हर गाँव को जल स्वावलंबी बनाना। इसके अंतर्गत तालाबों का जीर्णोद्धार, जोहड़ और बावड़ियों का पुनर्निर्माण, चेकडैम और एनिकट का निर्माण, खेत-तालाब और टांका जैसी संरचनाएँ बनाई गईं। योजना की विशेषता यह रही कि इसमें ग्राम पंचायतों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई। हजारों गाँवों में इस अभियान से भूजल स्तर में सुधार हुआ और किसानों की सिंचाई की समस्या काफी हद तक हल हुई।

ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को बढ़ावा देने में मनरेगा की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत तालाब, खेत-तालाब, टांका, नाड़ी, चेकडैम और जल निकासी नालों का विकास किया गया। इसने न केवल ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया, बल्कि जल संचयन की स्थायी संरचनाएँ भी बनाईं। राजस्थान के अनेक गाँवों में आज मनरेगा के कार्यों का प्रत्यक्ष प्रभाव देखने को मिलता है।

भूजल संकट से जूझ रहे राजस्थान में अटल भूजल योजना को भी लागू किया गया। राज्य के सात जिलों में शुरू इस योजना का लक्ष्य है-जल उपयोग का संतुलन और भूजल का पुनर्भरण। पंचायतों को इस योजना में भागीदार बनाकर उन्हें जल बजट तैयार करने और हर बूंद के महत्व को समझाने की जिम्मेदारी दी गई। इस पहल ने ग्रामीण समाज को जल प्रबंधन की दिशा में सक्रिय किया।

पेयजल की समस्या राजस्थान में सबसे गंभीर रही है। विशेषकर ग्रामीण महिलाएँ मीलों दूर से पानी लाने को मजबूर थीं। इस समस्या के समाधान हेतु केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना राजस्थान के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के हजारों गाँवों में नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इससे महिलाओं को राहत मिली है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी कम हुई हैं। लेकिन इस योजना का उद्देश्य केवल नल कनेक्शन देना नहीं है, बल्कि जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्भरण भी इसमें शामिल है।

> **राजस्थान की परंपरा ने हमेशा हमें यह सिखाया है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल है। सरकार की योजनाएँ इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। यदि यह प्रयास लगातार जारी रहे और समाज इसमें सक्रिय रूप से भाग ले, तो राजस्थान न केवल अपने जल संकट से उबर सकेगा, बल्कि पूरे देश के लिए जल संरक्षण की प्रेरणा बन सकता है।**

कृषि क्षेत्र, जो राज्य के कुल जल उपभोग का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसमें भी सुधार की आवश्यकता थी। इसी सोच के साथ लागू की गई प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ने राजस्थान के किसानों को नई राह दिखाई। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों से कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हुआ। सीकर, झुंझुनूं, चूरू और जोधपुर जैसे जिलों में किसान अब इन आधुनिक तकनीकों को अपनाकर पानी की बचत कर रहे हैं और अपनी आय भी बढ़ा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में भी जल संकट तेजी से बढ़ रहा है। जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे शहरों में पानी की आपूर्ति और अपशिष्ट जल प्रबंधन बड़ी समस्या है। इस दिशा में अमृत योजना और स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत वर्षा जल संचयन अनिवार्य किया गया है। अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र स्थापित किए गए हैं ताकि पानी का पुनः उपयोग किया जा सके। इससे न केवल जल संरक्षण हो रहा है बल्कि शहरी स्वच्छता में भी सुधार आ रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे कैच द रेन अभियान का प्रभाव भी राजस्थान में देखा जा सकता है। "जहाँ गिरे, जब गिरे, पानी को सहेजें" के नारे के साथ लोगों को अपने घरों और खेतों में वर्षा जल संचयन की तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विद्यालयों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है।

राजस्थान में जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रश्न है। अलवर जिले के जोहड़ों का पुनर्जीवन, पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह के प्रयासों से देश और दुनिया के लिए मिसाल बना। उनके प्रयासों से पुनर्जीवित जल स्त्रोतों ने न केवल भूजल स्तर बढ़ाया, बल्कि नदियों को भी पुनर्जीवित किया। इसी तरह के प्रयास यदि हर जिले में हों तो सरकारी योजनाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ सकता है। इन सभी योजनाओं में पहले से यह स्पष्ट है कि राजस्थान ने जल संरक्षण की दिशा में एक नई सोच और नई नीति अपनाई है। लेकिन चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। राज्य के अधिकांश जिलों में जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा को और भी अस्थिर बना दिया है। ऐसे में योजनाओं की सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे। जल की एक-एक बूंद बचाना आज जीवन रक्षा का मंत्र है।

राजस्थान की परंपरा ने हमेशा हमें यह सिखाया है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल है। सरकार की योजनाएँ इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। यदि यह प्रयास लगातार जारी रहे और समाज इसमें सक्रिय रूप से भाग ले, तो राजस्थान न केवल अपने जल संकट से उबर सकेगा, बल्कि पूरे देश के लिए जल संरक्षण की प्रेरणा बन सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 13 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र दिन 10:11 तक, हर्षण योग दिन 10:32 तक, वणिज करण प्रातः 7:24 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:31 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवि योग दिन 10:11 तक है और पुनः दिन 3:41 से आरम्भ होगा। त्रिपुष्कर योग प्रातः 7:24 से दिन 10:11 तक है। आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग दिन 10:11 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 7:24 से सायं 6:14 तक रहेगी। आज मंगल तुला राशि में रात्रि 9:23 से प्रवेश करेगा। आज सप्तमी तिथि का क्षय हुआ है। आज सप्तमी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:47 से 9:19 तक, चर 12:23 से 1:55 तक, लाभ-अमृत 1:55 से 4:59 तक।
राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:31

मेष
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है, उचित परामर्श मिलेगा। आज व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

नेपाल संकट : डीप स्टेट और एशिया की राजनीति

मुरारी गुप्ता

सिर्फ़ दो दिनों में नेपाल की सियासी ज़मीन हिल गई। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति भवन तक विद्रोही युवाओं के निशाने पर आ गए। पूर्व प्रधानमंत्री और मंत्रियों के साथ मारपीट हुई और सत्ता का तख़्ता पलट लगभग तय हो गया। यह सब अचानक नहीं था। दक्षिण एशिया में पिछले कुछ वर्षों से जिस पैटर्न पर घटनाएँ घट रही हैं–श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल–वह यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं डीप स्टेट यानी अमेरिकी रणनीतिक तंत्र की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं।

डीप स्टेट क्या है?

अमेरिका की राजनीति में अक्सर यह शब्द सामने आता है। इसका आशय उन शक्तिशाली संस्थानों से है जो चुनी हुई सरकारों से परे काम करते हैं–जैसे खुफिया एजेंसियाँ, थिंक टैंक, रक्षा ठेकेदार, मीडिया लॉबी और बहुराष्ट्रीय कॉरपोरेट। इनकी प्राथमिक चिंता वैश्विक प्रभुत्व और अपने हितों की रक्षा होती है। जब भी कोई देश अमेरिकी हितों से अलग रास्ता चुनता है, वहाँ अस्थिरता पैदा करना इस तंत्र का पुराना हथियार है। इराक़, लीबिया, सीरिया इसके बड़े उदाहरण हैं। लेकिन अब यह रणनीति एशिया की उभरती राजनीति में भी देखने को मिल रही है, जहाँ चीन का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है।

नेपाल क्यों निशाने पर?

नेपाल का भौगोलिक महत्व किसी से छुपा नहीं। भारत और चीन के बीच बसा यह हिमालयी राष्ट्र दोनों देशों की सुरक्षा और रणनीति से जुड़ा है। बीते कुछ वर्षों में काठमांडू ने चीन के साथ आर्थिक और राजनीतिक नज़दीकियाँ बढ़ाई हैं। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजनाओं में नेपाल की भागीदारी और निवेश पर अमेरिका की नज़र लंबे समय से टिकी हुई है।

अमेरिका नहीं चाहता कि चीन हिमालय से होकर दक्षिण एशिया में और गहरी पैठ बनाए। ऐसे में नेपाल में अचानक भड़का युवा विद्रोह, लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाना और सरकार को गिराने की ज़िद एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय पटकथा का हिस्सा प्रतीत होती है।

जेनरेशन ज़ी या 'मैन्युफैक्चर्ड' गुस्सा?

नेपाल में जिन युवाओं ने विद्रोह का नेतृत्व किया, उन्हें जेनरेशन ज़ी का नाम देकर सोशल मीडिया पर ट्रेंड बनाया गया। कहा गया कि वे भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ़ खड़े हैं। लेकिन सवाल यह है कि महज़ दो दिन में इतना बड़ा तंत्र कैसे खड़ा हो गया? पुलिस और सेना की अचानक लाचारी, संगठित भीड़ की तैयारियाँ और लोकतांत्रिक ढाँचों को सीधा निशाना बनाना यह दर्शाता है कि आंदोलन स्वतः स्फूर्त कम और योजनाबद्ध ज़्यादा था। यह वही फार्मूला है जो बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ़ दिखा और श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान भी अपनाया गया।

भारत के लिए चेतावनी

नेपाल की अस्थिरता भारत के लिए सीधा खतरा है। सुरक्षा दृष्टि से खुली सीमा के कारण नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता भारत के सीमावर्ती राज्यों तक असर डाल सकती है। चरमपंथी और विदेशी ताक़तें इस स्थिति का लाभ उठा सकती हैं। भूराजनीतिक दृष्टि से भी अगर नेपाल में चीन समर्थक या अमेरिका समर्थक ताक़तें बारी-बारी से खेल रचेंगी तो भारत बफ़र ज़ोन की सुरक्षा खो देगा। नेपाल को लेकर भारत की पारंपरिक 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति चुनौती में आ सकती है। सोशल मीडिया, नैरेटिव वॉरफेयर और भ्रामक प्रचार का असर भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी पड़ सकता है।

कमजोर नेतृत्व, मजबूत नैरेटिव

नेपाल की मौजूदा राजनीति यह भी दर्शाती है कि कमजोर नेतृत्व किसी भी देश को बाहरी हस्तक्षेप के लिए खुला छोड़ देता है। जब नेतृत्व अस्थिर होता है, तब नैरेटिव की राजनीति ज़्यादा प्रभावी हो जाती है। डीप स्टेट इसी कमजोरी को भुनाता है। भारत के लिए सबक साफ़ है–सिर्फ़ मजबूत नेतृत्व ही नहीं, बल्कि सुदृढ़ लोकतांत्रिक संस्थाएँ और सतर्क जनता ही किसी भी बाहरी नैरेटिव को विफल कर सकती हैं। नेपाल की आग केवल नेपाल तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया की भूराजनीतिक लड़ाई का हिस्सा है जिसमें अमेरिका की डीप स्टेट, चीन की महत्वाकांक्षाएँ और भारत की सुरक्षा हित तीनों टकरा रहे हैं।

आज सवाल केवल नेपाल की स्थिरता का नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता का है। अगर बाहरी ताक़तें बार-बार लोकतंत्र और युवाओं की ऊर्जा को अपने हथियार की तरह इस्तेमाल करेंगी तो अगली अस्थिरता की लपटें किसी और पड़ोसी देश तक पहुँच सकती हैं। भारत को इस पर पैनी नज़र रखनी होगी, क्योंकि दक्षिण एशिया में उठता हर धुआँ उसकी सीमाओं को ही सबसे पहले घेरता है।

–मुरारी गुप्ता
(लेखक उपन्यासकार हैं)।

राजनीतिक प्रदूषण: पर्यावरणीय संकट का एक अदृश्य कारण

अशोक कुमार

आज जब हम पर्यावरणीय संकट की बात करते हैं, तो अक्सर हमारे दिमाग में प्रदूषण फैलाने वाले कारक जैसे कि उद्योग, वाहनों का धुआँ, प्लास्टिक कचरा, पेड़-पौधों की कटाई आदि आते हैं। लेकिन इन समस्याओं के पीछे एक और बेहद महत्वपूर्ण लेकिन अदृश्य कारक होता है, जिसे हम 'राजनीतिक प्रदूषण' कह सकते हैं। यह वह प्रदूषण है जो सीधे हवा, पानी या मिट्टी को तो प्रदूषित नहीं करता, लेकिन नीतियों, फैसलों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के माध्यम से प्रदूषण की समस्या को और जटिल बना देता है।

राजनीतिक प्रदूषण एक ऐसा सामाजिक और नीतिगत परिप्रेक्ष्य है, जो यह बताता है कि किस प्रकार राजनीतिक निर्णय, लापरवाही, भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के चलते पर्यावरणीय संकटों को रोकने की कोशिशें कमजोर पड़ जाती हैं। यह सीधे तौर पर पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि प्रदूषण से निपटने के प्रयासों को बाधित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदूषण की समस्या के समाधान में आने वाली राजनीतिक बाधाओं को उजागर करना है, जैसे कि कानूनों का अभाव, कार्यान्वयन में लचरता, जिम्मेदारी से बचाव और केवल चुनावी लाभ के लिए पर्यावरण का उपयोग। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कानून बनाने की प्रक्रिया में अक्सर सरकारें धीमी होती हैं। कई बार सालों तक जरूरी कानून या नीतियाँ केवल मसौदे के स्तर पर अटकी रह जाती हैं। प्रदूषण जैसे आपातकालीन मुद्दों पर भी नीतिगत निर्णयों में देरी होती है। उद्योगपतियों और राजनीतिक वर्ग के बीच गठजोड़ राजनीतिक प्रदूषण का एक अहम हिस्सा है। कई बार बड़ी कंपनियाँ प्रदूषण नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करती हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। इसके पीछे राजनीतिक चंदा, लॉबिंग और सत्ता-संबंधी हित छिपे होते हैं।

प्रत्येक चुनाव के समय राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने के बड़े-बड़े वादे करते हैं – जैसे स्वच्छ हवा, स्वच्छ नदियाँ, हरे-भरे शहर आदि। लेकिन सत्ता में आने के बाद अक्सर ये वादे अधूरे रह जाते हैं।

जब प्रदूषण का स्तर चरम पर होता है – उदाहरण के लिए दिल्ली में सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण – तो राजनीतिक दल एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में लग जाते हैं। कोई पराली जलाने को दोष देता है, तो कोई नगर निगम की लापरवाही को। लेकिन वास्तविक समाधान के लिए सामूहिक पहल नहीं होती।

राजनीतिक दल कई बार प्रदूषण से निपटने के लिए केवल प्रतीकात्मक और अस्थायी कदम उठाते हैं, जैसे कि 'सम-विषम योजना', 'एंटी-स्मॉग गन' या 'ग्रीन वीक'। ये कदम लंबे समय तक चलने वाले प्रभावशाली समाधान नहीं होते, बल्कि केवल जनता को यह दिखाने के लिए होते हैं कि सरकार कुछ कर रही है।

राजनीतिक निर्णयों के चलते पर्यावरणीय संसाधनों – जैसे पानी, जंगल, जमीन – का असमान वितरण होता है। बड़ी विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासी इलाकों से जंगलों को उजाड़ा जाता है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है और गरीब समुदायों का जीवन प्रभावित होता है। कई बार सरकारें यह तर्क देती हैं कि 'विकास' के लिए पर्यावरणीय बलिदान जरूरी है। लेकिन इस विकास का लाभ सीमित लोगों को मिलता है, जबकि पर्यावरण का नुकसान पूरी जनता को झेलना पड़ता है। यह एक प्रकार का पर्यावरणीय अन्याय है, जिसे राजनीतिक रूप से नजरअंदाज कर दिया जाता है। राजनीतिक प्रदूषण को बनाए रखने में कभी-कभी मीडिया की भूमिका भी आलोचनीय रही है। कई मीडिया चैनल पर्यावरणीय मुद्दों को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं देते या उन्हें राजनीति से जोड़कर सनसनीखेज बना देते हैं। इससे लोगों का ध्यान असली मुद्दे से भटक जाता है।

हालांकि कुछ स्वतंत्र मीडिया संस्थान और पर्यावरण कार्यकर्ता इस दिशा में जागरूकता फैलाने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब तक सरकार और राजनैतिक दल गंभीरता से इन मुद्दों को नहीं लेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं है। राजनीतिक प्रदूषण का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समस्या के समाधान की वास्तविक इच्छाशक्ति खत्म हो जाती है। नीतियाँ बनती हैं, लेकिन लागू नहीं होतीं। बजट आवंटित होता है, लेकिन उसका उपयोग नहीं होता। और इस सबका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है: खराब हवा से फेफड़ों की बीमारियाँ, गंदा पानी पीने से बच्चों में कुपोषण, वन क्षेत्र नष्ट होने से जलवायु परिवर्तन, गर्मियाँ अधिक गर्म और सर्दियाँ अधिक जहरीली होती जा रही हैं।

राजनीतिक प्रदूषण की समस्या को समाप्त करना आसान नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं। इसके लिए कदम उठाए जा सकते हैं! जब आम नागरिक पर्यावरण को लेकर सजग होंगे और सरकार से जवाबदेही मांगेंगे, तब ही राजनीतिक इच्छाशक्ति पैदा होगी। पर्यावरण से जुड़ी नीतियों को मजबूत, पारदर्शी और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त बनाना जरूरी है। राजनीतिक एजेंडे में पर्यावरण को केवल एक मुद्दा नहीं, बल्कि नीति निर्धारण का केंद्र बनाया जाना चाहिए। न्यायपालिका और स्वायत्त निकायों को पर्यावरणीय मामलों में तेजी से और निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए, ताकि राजनीतिक हस्तक्षेप न हो।

निष्कर्ष--राजनीतिक प्रदूषण एक गंभीर लेकिन नजरअंदाज की गई समस्या है, जो न केवल पर्यावरणीय संकट को बढ़ा रही है, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को भी कमजोर कर रही है। जब तक राजनीति में पर्यावरण को केवल एक चुनावी मुद्दा समझा जाएगा और वास्तविक समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक प्रदूषण की समस्या बनी रहेगी। आज जरूरत है उस राजनीतिक प्रदूषण को खत्म करने की, जो असली प्रदूषण को खत्म नहीं होने देता।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय; पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

जयपुर के वास्तुकार प्रमोद जैन को मुम्बई में डिज़ाइन स्केप पुरस्कार-2025 मिला

- **प्रमोद जैन और उनके सहयोगियों को यह पुरस्कार मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी), जोधपुर की डिजाइन के लिए सरकारी और नागरिक भवनों की श्रेणी में दिया गया है**

जयपुर। जयपुर के मशहूर वास्तुकार प्रमोद जैन, मेसर्स प्रमोद जैन एंड एसोसिएट्स ने प्रतिष्ठित डिज़ाइन स्केप पुरस्कार-2025 प्राप्त किया है। प्रमोद जैन और उनके सहयोगियों को यह पुरस्कार मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी), जोधपुर की डिजाइन के लिए सरकारी और नागरिक भवनों की श्रेणी में दिया गया है।

प्रमोद जैन ने यह पुरस्कार गुरुवार को सायं मुंबई के एक होटल में आयोजित एक भव्य समारोह में प्राप्त किया। उन्हें यह पुरस्कार लगातार दूसरे वर्ष मिला। पिछले वर्ष, उन्हें ऑडिटोरियम और एरीना की श्रेणी में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर के लिए डिज़ाइन एस्केप पुरस्कार मिला था। इस कार्यक्रम में देश के शीर्ष आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिज़ाइनर, रियल एस्टेट की शीर्ष हस्तियाँ और मुंबई के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। यह समारोह इकोनॉमिक टाइम्स राष्ट्रीय मीडिया समूह द्वारा आयोजित किया गया। राष्ट्रीय निर्णायक मंडल ने मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी) की प्रशंसा एक समकालीन वास्तुशिल्प चमत्कार के रूप में की, जो कि जोधपुर की स्थापत्य विरासत से गहराई से जुड़ा है।

सूरसागर बलुआ पत्थर और पारंपरिक निर्माण तकनीकों से निर्मित, यह केंद्र आधुनिक तकनीक, नवाचार और कार्यक्षमता के साथ क्षेत्रीय चरित्र को कुशलतापूर्वक एकीकृत करता है।एमआईसी राजस्थान का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम है, जिसमें 1350 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इसमें जोधपुरी पत्थरों से बना एक प्रतिष्ठित अग्रभाग है, जिसमें भव्य प्रवेश द्वार, स्तरित छतें और पत्थर के स्तंभ, जालियाँ, कोष्ठक, दासा और छज्जा जैसी पारंपरिक सजावटें हैं। विशालता, भव्यता और सांस्कृतिक प्रतीकों का यह संगम एमआईसी को शहर का एक विशिष्ट स्थल बनाता है।

वास्तुकार प्रमोद जैन।

महाजन फायरिंग रेंज में बीएसएफ की आर्टिलरी रेजीमेंट ने लक्ष्य भेदकर ताकत दिखाई

- **बीएसएफ की आर्टिलरी रेजीमेंट ने अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन कर गनों से सटीक निशाने साधे**
- **बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने लाइव फायरिंग देखी और हथियारों का जायजा लेकर जवानों की हौसला अफजाई की**

बीकानेर, (निसं)। महाजन फायरिंग रेंज एक बार फिर धमाकों से गूंज उठी। बीएसएफ की आर्टिलरी रेजीमेंट ने अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन कर गनों से सटीक निशाने साधे। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने लाइव फायरिंग देखी।

महाजन फायरिंग रेंज में पिछले करीब एक महीने से बीएसएफ की 1044 आर्टिलरी रेजीमेंट को सालाना शूटिंग कोर्स चल रहा है। जवान इस दौरान आर्टिलरी गन से निशाने साधकर अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। महानिदेशक दलजीत सिंह इस सिलसिले में दिल्ली से विमान द्वारा यहां पहुंचे। महाजन रेंज पहुंचकर लाइव फायरिंग देखी और हथियारों का जायजा लिया। उन्होंने जवानों की हौसला अफजाई करते हुए चुनौतियों को मुकाबला करने के लिए हर वक्त तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने गन पोजीशन पर तैनात सैनिकों के साथ बातचीत की। साथ ही उनके समर्पण और प्रयास की सराहना की। डीजी ओपी प्वाइंट पर भी गए।

सेना से ड्रोन खतरों पर चर्चा : डीजी बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी ने सेना की रणबांकुरा डिवीजन के मेजर जनरल दीपक श्योराण से सीमा पर पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन खतरों से निपटने पर चर्चा की। दोनों उच्च सैन्य अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे सीमा के हालात पर मंथन किया। बीएसएफ आईजी एमएल गर्ग, डीआईजी अजय लूथरा, डीआईजी प्रधान स्टाफ वीएम सिंह भी इस दौरान मौजूद रहे। रेंज के आईजी हेमंत शर्मा और एसपी कावेंद्र सागर ने भी डीजी से मुलाकात की तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा के हालात पर बातचीत की।

लाइव फायरिंग के दौरान आर्टिलरी गन से सामरिक स्थिति के अनुसार विभिन्न टारगेट साधे गए। न्यू जेनरेशन इक्विपमेंट और प्रोजेक्ट शक्ति पर ब्रीफिंग तथा उनका प्रदर्शन किया गया। डीजी चौधरी ने बताया कि स्थापना के बाद से बीएसएफ आर्टिलरी अपने आदर्श वाक्य "लक्ष्य, निश्चय, विजय" पर खरी उतरी है। रेंज में ब्रिगेडियर गगनदीप सिंह चीमा (सेवानिवृत्त), डीआईजी/कमांडर (आर्टिलरी) ने डीजी का स्वागत किया।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 157 प्रभात जालोर, शनिवार 13 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली

शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति पद का कार्यभार भी ग्रहण किया, क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति भी होता है

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देश के 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलायी।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।
- समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व राष्ट्रपति कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, वेंकैया नायडू, हामिद अंसारी के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व कई केन्द्रीय मंत्रियों ने हिस्सा लिया।

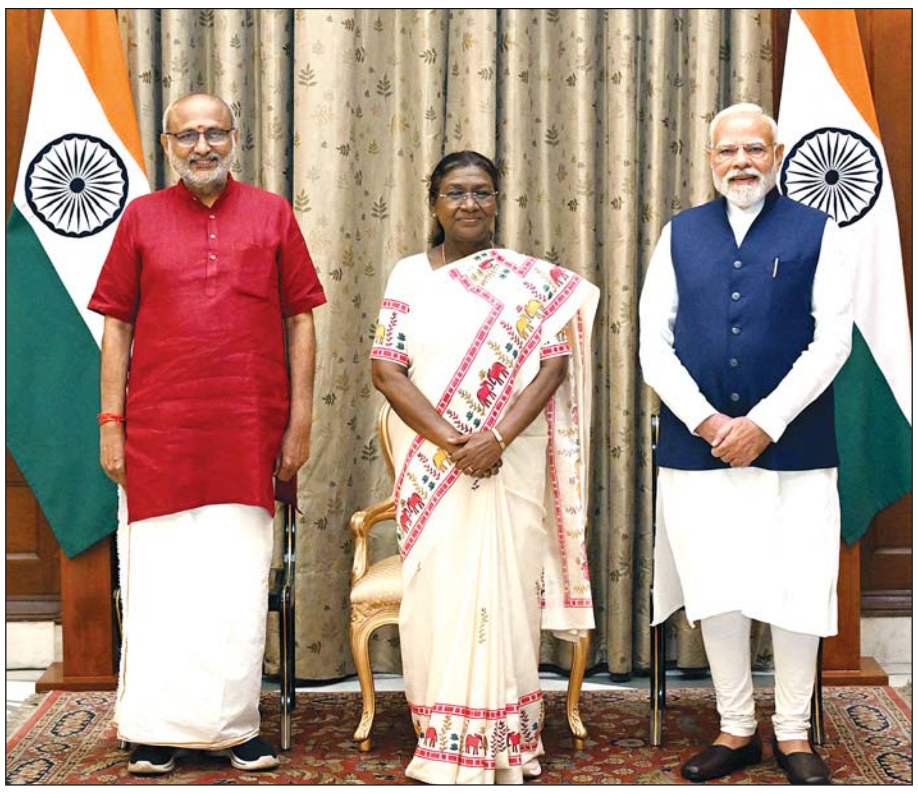

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को चंद्रपुरम पोनुसामी राधाकृष्णन को 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे।

इससे पहले राधाकृष्णन के उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने से संबंधित निर्वाचन आयोग का प्रमाण पत्र पढ कर सुनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड, वेंकैया नायडू , हामिद अंसारी , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नड्डा , नितिन गडकरी और कई अन्य केन्द्रीय मंत्री तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद 9 सितम्बर को उप राष्ट्रपति का चुनाव कराया गया था। इस चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदावार रहे राधाकृष्णन निर्वाचित घोषित किये गये थे। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। सी पी राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति के पद की शपथ लेने के बाद यहां राज्यसभा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस्तीफे के बाद पहली बार जगदीप धनखड़ पब्लिक में आये

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने पद से इस्तीफा देने के बाद शुक्रवार को पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखायी दिए।

धनखड़ राष्ट्रपति भवन में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने आए थे। वे इस कार्यक्रम में सपत्नीक पधारे और उनको अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठाया गया। उनके साथ उपराष्ट्रपति पद को सुशोभित कर चुके सर्ववैंकेया नायडू, हामिद अंसारी भी बैठे नजर आए।

- वे उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए तथा पूर्व राष्ट्रपति वेंकैया नायडू व हामिद अंसारी के साथ बैठे।

धनखड़ के समारोह में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह से उनकी भेंट हुई और शाह ने उनका अभिवादन किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भी धनखड़ से भेंट करके उनकी कुशल क्षेम पूछी।

जब राधाकृष्णन, शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो धनखड़ ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं में कुछ क्षण के लिए आपस में बातचीत हुई ।

गौरतलब है कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर अपने पद से 22 जुलाई को त्यागपत्र दे दिया था। उसके बाद से करीब डेढ़ महीने से अधिक की अवधि में वे किसी भी कार्यक्रम में नहीं दिखे। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने प्रश्न भी उठाए थे।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्र.मंत्री बनीं

उनका नाम जनरेशन ज़ैड के प्रतिनिधि सुदीप गुरुंग ने प्रस्तावित किया था, राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, व नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडल के आपसी सामंजस्य के बाद, फाइनल हुआ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। अब उनके कंधों पर यह भारी जिम्मेदारी है कि वे देश को फिर से पटरी पर लाएँ और जेनरेशन-ज़ेड की उस आकांक्षा को पूरा करें जिसमें नेपाल को भ्रष्टाचार और परिवारवाद से मुक्त समाज बनाने का सपना है।

- सुशीला कार्की की छवि साफ व भ्रष्टाचार के मामले में किसी प्रकार के दबाव के आगे नहीं झुकने वाली दबंग महिला की है।

सुशीला कार्की

शपथ ग्रहण समारोह नेपाल के राष्ट्रपति भवन में हुआ। इसके साथ ही कई दिनों से चल रही अटकलों और पर्दे के पीछे हो रही बातचीत पर विराम लग गया और देश को पहली महिला प्रधानमंत्री मिलीं।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इस निर्णय की विधिवत घोषणा की गई। यह सहमति राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, नेपाल सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल और जेनरेशन-ज़ेड आंदोलन के प्रतिनिधियों के बीच बनी। इसी आंदोलन के दबाव में पिछले हफ़्ते पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा था। इन घटनाओं से पहले कई दिनों तक नेपाल में ज़बरदस्त प्रदर्शन हुए थे, जिन्हें भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी से परेशान युवाओं ने आगे बढ़ाया। प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 51 लोग मारे गए और इसी वजह से ओली को पद छोड़ना पड़ा।

हिंसक जेनरेशन-ज़ेड आंदोलन ने नेपाल को अराजकता में धकेल दिया था। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफ़े के बाद, नेपाल सेना ने हालात को काबू में करने के लिए हस्तक्षेप किया। इस दौरान, काठमांडू समेत कई जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट हुई। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों के आवास तक में आग लगा दी।

ओली के जाने के बाद सबकी नज़रें इस बात पर थीं कि अंतरिम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। इस बीच जेनरेशन-ज़ेड, जिसका नेतृत्व एक एनजीओ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ढाई साल के हिंसक दौर के बाद आज मणिपुर पहुंचेंगे प्र.मंत्री मोदी

कई दिनों की अटकलों के बाद मोदी का मणिपुर दौरा फाइनल हुआ

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मणिपुर जाएंगे। मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह उनकी पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य के मुख्य सचिव ने इस बात की पुष्टि की है।

बीते कुछ दिनों से पीएम के दौरे की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई थी। शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि पीएम मोदी

- मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने पत्रकारों को बताया कि प्र.मंत्री 12.30 बजे आइज़ोल से मणिपुर पहुंचेंगे।
- प्र.मंत्री सबसे पहले चूराचांदपुर पहुंचेंगे जो कुकी बहुल क्षेत्र है, फिर वे इम्फाल जाएंगे जो मैती बहुल है। इस यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री हिंसा के विस्थापितों से भी मिलेंगे। यात्रा कार्यक्रम को संतुलन बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

शनिवार को मिज़ोरम की राजधानी आइजल से चुराचांदपुर ज़िले पहुंचेंगे, जहां वे दोपहर लगभग 12:30 बजे हिंसा के कारण विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। इसके अलावा वे राज्य भर में प्रस्तावित 7,300 करोड़ की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

परमिता त्रिपाठी कुवैत में राजदूत बनीं

नयी दिल्ली, 12 सितम्बर। भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी परमिता त्रिपाठी को कुवैत में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश सेवा के 2001 बैच की अधिकारी त्रिपाठी अभी मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। उन्हें डॉ. आदर्श स्वाइका की जगह कुवैत का राजदूत बनाया गया है। अपने दो दशक से भी लंबे कैरियर में त्रिपाठी विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र डेस्क पर भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने ब्रुसेल्स और टोक्यो में भी काम किया है। वे वर्ष 2017 में न्यूयार्क में भारत की उप महावाणिज्य दूत और वर्ष 2013 में सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग में उप उच्चायुक्त रह चुकी हैं।

- वे 2001 बैंच की भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी हैं।

प्र.मंत्री की मां के एआई विडियो पर भाजपा में भारी गुस्सा

भाजपा जोर शोर से इस मसले को उठा रही है और ऐसा लगता है यह विवाद थमने वाला नहीं है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां पर बनाए गए एआई वीडियो को लेकर शुक्रवार को विवाद बढ़ गया, लेकिन कांग्रेस पीछे हटने के बजाय और मुखर हो गई। पार्टी ने कहा कि किसी का अपमान नहीं हुआ है और वीडियो सिर्फ एक माता-पिता द्वारा अपने बच्चे को समझाने की कहानी है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, ''माता-पिता का कर्तव्य होता है कि वे अपने बच्चों को सही दिशा दिखाएं। वे (पीएम मोदी की दिवंगत मां हीराबेन मोदी) अपने बच्चे को सिर्फ समझा रही हैं। अगर बच्चा इसे अपना अपमान मानता है, तो यह उसकी समस्या है।''

खेड़ा की यह टिप्पणी उस समय आई, जब भाजपा ने आरोप लगाया कि बिहार कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया वीडियो, जिसमें प्र.मंत्री की मां हीराबेन मोदी की एआई से बनाई गई छवि प्रधानमंत्री मोदी को वोट के लिए उनका इस्तेमाल करने पर फटकार लगाती है, यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि कांग्रेस की राजनीति लगातार नए स्तरों तक गिर रही है।

- भाजपा के भारी हमले के बाद कांग्रेस और मुखर हो गई विडियो में एक मां द्वारा बच्चे को सिखाने के बारे में इसमें किसी का अपमान नहीं है। भाजपा सहानुभूति बटोरने के लिए यह मुद्दा उठा रही है।
- भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज़ ने कहा, कांग्रेस बार-बार प्रधानमंत्री की मां हीराबेन का अपमान कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि पिछले महीने विपक्ष की एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस लगातार गिरती जा रही है। पहले कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ गाली दी गई। अब उनकी एआई छवि बनाकर उनका अपमान किया जा रहा है। बिहार और देश यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। जो महिला अब इस दुनिया में नहीं है, उसकी छवि बनाकर, उसके मुंह में शब्द डालना दुर्भाग्यपूर्ण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जगदीप छोकर, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता व जवाबदेही के लिये जीवन भर संघर्ष किया, अब नहीं रहे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के सह-संस्थापक और भारत में चुनावी पारदर्शिता और जवाबदेही के एक मजबूत पैरोकार, जगदीप एस. छोक्कर का शुक्रवार, 12 सितंबर को दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद में प्रोफेसर रहे छोक्कर ने अकादमिक जीवन की सुविधाओं को त्याग कर भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका शरीर एक अस्पताल को दान कर दिया गया, इसलिए उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

- वे इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद में प्रोफेसर थे, वहां कार्यरत रहते हुए ही एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स का गठन किया था
- न्यायालय में लगातार याचिकाएं व मुकदमे दायर कर, अंततोगत्वा सुप्रीम कोर्ट से उन्होंने यह आदेश प्राप्त कर लिया, कि हर उम्मीदवार को अपने ''क्रिमिनल बैकग्राउण्ड,'' वित्तीय स्थिति व शैक्षणिक योग्यता का खुलासा करना अनिवार्य होगा।
- इस एक ''रिफॉर्म'' ने आम नागरिक, मीडिया व अन्य प्रजातंत्र के प्रहरियों को सक्षम बना दिया, राजनीतिज्ञों पर निगाह रखने के लिये।
- छोकर, अपनी मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बावजूद बहुत विनम्र थे, तथा छोटे से छोटे पत्रकार को बड़े धैर्य से ''इलैक्टोरल रिफॉर्म्स'' की बारीकी समझाते थे, तथा हिम्मत व हौसला बढ़ाते थे, स्वतंत्र व निष्पक्ष पत्रकारिता करने के लिये।

पत्रकारों के लिए, एडीआर भारतीय राजनीति की छिपी दुनिया में प्रवेश का माध्यम था। उम्मीदवारों की संपत्ति और आपराधिक रिकॉर्ड पर इसकी रिपोर्टें अक्सर उन चौंकाने वाली कहानियों की शुरुआत बनती थीं, जो निर्वाचित प्रतिनिधियों की संपत्ति, सत्ता और संदिग्ध आचरण को उजागर करती थीं।

लगातार कानूनी लड़ाई और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से, एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट से यह अनिवार्य करवाया कि उम्मीदवारों को अपने आपराधिक, वित्तीय और शैक्षणिक विवरण सार्वजनिक करने होंगे। यह इकलौता सुधार नागरिकों, मीडिया और निगरानी संगठनों को राजनेताओं की जवाबदेही तय करने के अभूतपूर्व साधन प्रदान करता है। उन्होंने आईआईएम में पढ़ाते समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो हत्यारों को उम्रकैद की सजा

टोंक, (निसं)। हत्या के आरोप में एससी/एसटी कोर्ट ने एक युवक और उसके दोस्त को उम्रकैद की सजा सुनाई है। घटना 4 अप्रैल 2024 की है, जहां युवक ने अपनी प्रेमिका के पति की शराब की बोतल से गला काटकर हत्या की गई थी। इसके बाद उसके शव को कुएं में फेंक कर फरार हो गया था। मामले में मृतक युवक की मां ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत सहायता राशि देने की मांग भी की है, जिस पर कोर्ट ने सजा सुनाते हुए हत्यारों पर 2 लाख का जुर्माना भी लगाया है। पुलिस जांच में सामने आया था कि आरोपी युवक का मृतक की पत्नी से अवैध संबंध था, जिसके चलते युवक ने पति को अवैध संबंधों में बाधक मान अपने दोस्त के साथ मिलकर शराब की बोतल तोड़ उससे गला रेत हत्या कर दी थी।

जेईएन के लिए 17 हजार की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

एसीबी की कार्रवाई की भनक लगने पर जेवीएनएल कनिष्ठ अभियंता तेजसिंह फरार हो गया

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अलवर प्रथम टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए जेवीएनएल कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) तेज सिंह के कहे अनुसार उसके दलाल फूलसिंह को परिवादी से 17 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वहीं एसीबी की कार्रवाई की भनक लगने पर जेईएन तेजसिंह मौके से फरार हो गया। जिसकी एसीबी की टीम तलाश कर रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी अलवर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके घर के पास शिवजी का मंदिर है और दस सितम्बर को पिनान जीएसएस का जेईएन तेज सिंह परिवादी के घर आए और उससे कहा कि तुम लोगों ने मंदिर में बिना मीटर के विद्युत का सीधा कनेक्शन कर रखा है। जेईएन तेज सिंह ने परिवादी को साइड में ले जाकर कहा कि तुमने मंदिर में चोरी की लाइट लगा रखी है या तो तुम अभी तीस हजार रूपये दो अन्यथा एक लाख रुपये की वीसीआर भर देंगे। परिवादी ने जेईएन से कहा कि इस कनेक्शन से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वह तो मंदिर में आने-जाने वालों के लिए लाइट लगा रखी है। घर के इनवर्टर से मंदिर की लाइट को जोड़ रखा है। उनके घर का तो अलग से कनेक्शन ले रखा है। परन्तु जेईएन तेजसिंह ने धमकी दी कि यदि तुम 30 हजार रुपये कल तक नहीं दोगे तो वह एक लाख की वीसीआर भर देगा। जेईएन तेजसिंह ने वीसीआर डर दिखाते हुए पांच हजार रुपये तो उसी समय ले लिए और जाते हुए कहा 25 हजार रुपये नहीं लाया तो वीसीआर भर देगा। उक्त वीसीआर नहीं भरने के नाम पर 30 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है, जिस पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम प्रभारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएलओ महेन्द्र कुमार ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए आरोपित जेईएन के दलाल फूल सिंह को 17 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

एसीबी की टीम ने आरोपी दलाल फूल सिंह को रिश्वत के आरोप में पकड़ा।

- **एक लाख की वीसीआर भरने की धमकी देकर कनिष्ठ अभियंता ने 30 हजार रुपये मांगे थे**
- **जेईएन तेजसिंह ने वीसीआर का डर दिखाते हुए पांच हजार रुपये तो उसी समय ले लिए और जाते हुए कहा कि 25 हजार रुपये नहीं लाया तो वीसीआर भर देगा**

डंपर ने बाइक को टक्कर मारी, दो युवकों की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर के टहला में तेजाला स्टैंड पर शुक्रवार दोपहर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। डंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद दोनों मृतकों के शव टहला हॉस्पिटल की मॉर्चरी में रखवाए गए। घटना की सूचना के बाद मृतकों के परिजन हॉस्पिटल पहुंचे। परिजनों ने डंपर ड्राइवर को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर तेजाला रोड पर जाम लगा दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टहला से तेजाला रोड पर डंपर ने सामने से बाइक को टक्कर मारी थी। घटना के बाद मौके पर इकट्टा हुई भीड़ ने एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और टहला दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दोनों मृतकों की पहचान ककराली रामपुरा निवासी जगरूप गुर्जर पुत्र प्रभुदयाल गुर्जर और कमलेश पुत्र रामहेत गुर्जर के रूप में हुई। फिलहाल परिजनों का सड़क जाम व प्रदर्शन जारी था। पुलिस परिजनों से समझाइश के प्रयास कर रही है। वहीं पुलिस ने डंपर ड्राइवर को पकड़ने के लिए पुलिस ने सर्च शुरू किया है।

गुस्साए परिजनों ने सड़क पर जाम लगाकर ड्राइवर को गिरफ्तार करने की मांग की

युवक की हत्या करने वालों को आजीवन जेल

अलवर, (निसं)। युवक की हत्या करने वाले 4 आरोपियों को आजीवन जेल की सजा सुनाई है। चारों ने युवक को घेरकर चाकू घोंपा था। हत्या के दो साल बाद अलवर के विशिष्ट कोर्ट ने आरोपियों की सजा का फैसला सुनाया। वहीं आर्थिक दंड से भी दंडित किया है। सरकारी वकील योगेंद्र सिंह खटाना ने बताया कि हत्या की वारदात खैरथल के खिरगची गांव के बस स्टैंड की है। जज एससी एसटी अनीता सिंघल ने आरोपी खैरथल के मुन्फेद, करण सिंह, हेमंत उर्फ गोलू और उमरसैद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट के सामने 27 गवाह पेश किए गए। मामले में 19 अक्टूबर 2023 को परिवादी अशोक कुमार ने खैरथल थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि उनका बेटा योगेंद्र अपने दोस्त अमित के साथ कहीं जा रहा था। रास्ते में तीन बाइक पर 8 से 9 लोगों ने आकर चाकूओं से अमित की हत्या कर दी। उस समय खैरथल थाने में 6 के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई थी।

सेना व पुलिस ने कपड़ों की दुकानों पर छापे मारे

दुकानों से सेना की वर्दी का कपड़ा बरामद किया

बीकानेर, (निसं)। मिलिट्री इंटेलीजेंस और कोटगेट पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए कपड़ों की कुछ दुकानों पर छापे मारकर सेना की वर्दी का कपड़ा बरामद किया है। बाजार में खुलेआम सेना की वर्दी का कपड़ा बिक रहा है। हर कोई इस कपड़े का उपयोग कर वस्त्र बनवा रहे हैं। इसे देखते हुए मिलिट्री इंटेलिजेंस शहर में कपड़े की दुकानों पर जाकर कई दिन तक रेकी की थी।

कोलगेट पुलिस को साथ लेकर इंटेलिजेंस ने सुभाष मार्ग और कोटगेट पर स्थित कपड़ा व्यापारियों के यहां करवाई की। इससे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। इस इस मामले में फिलहाल किसी भी दुकानदार के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मिलिट्री इंटेलिजेंस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सेना की वर्दी का कपड़ा खुले बाजार में बेचना केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के खिलाफ है। बिना अनुमति ऐसे कपड़े की बिक्री राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सेना की वर्दी को दोहराना या बिना निगरानी बेचना प्रतिबंधित है। इसकी खुली बिक्री से आतंकियों या असामाजिक तत्वों को फायदा मिल सकता है, जो सैनिक बनकर घुसपैठ, आतंकी हमले या तोड़फोड़ कर सकते हैं। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि वर्दी केवल पहनावे का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय सेना की पहचान और जनता का विश्वास है। उसका दुरुपयोग पूरे सुरक्षा ढांचे को खतरे में डाल सकता है।फिलहाल कपड़े का स्टॉक पुलिस और सैन्य अधिकारियों की निगरानी में रखा गया है।

इनामी अपराधी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

भीलवाड़ा। जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस एवं साइबर थाना भीलवाड़ा के सहयोग से वर्ष 2021 में एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे अपराधी पर 15 हजार का इनाम घोषित था, जिस पर अपराधी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हनुमान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अमरीश मधुकर सावंत (45) निवासी महावीर कल्पवृक्ष सोसायटी, कासार वड़वल्ली, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। साइबर सेल भीलवाड़ा, गुलाबपुरा पुलिस ने संयुक्त रूप से 6 सदस्यों की टीम गठित कर कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। सविना थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षैत्र तितरड़ी ठाकुरदाता चौराहा निवासी राहुलसिंह पुत्र जसवन्तसिंह ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 6814 दिनांकः– 11.09.2025

–:: निविदा सूचना ::–

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं० न0प0बू0/निर्माण/2025–26/6809 दिनांक 10/09/2025 की निविदा दिनांक 11/09/2025 से दिनांक 23/09/2025 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 24/09/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 24/09/2025 को 4.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB17436 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/9982 — आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

कार्यालय नगर परिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक :- न.परि.झा./लाईट/2025/3546 दिनांक :- 10/09/2025

ई-निविदा

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2025–26 हेतु विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से नगरीय क्षेत्र झालावाड में सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था संधारण कार्य (O&M) 2025-26 हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र की वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी व प्राप्त किये जा सकेंगे।

UBN No. : DLB2526WSOB17290

राज.संवाद/सी/25/9862 — आयुक्त, नगर परिषद झालावाड़

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान–ब्यावर रोड़, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर – 01462–230051 ई–मेल :– npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 17/2025–26

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 17/2025–2026 के कार्य संख्या 01 की अनुमानित लागत 11.31 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 12–09–2025 से 22–09–2025 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 23–09–2025 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी. डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 24–09–2025 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UNB Reference No:- DLB2526A5742

राज.संवाद/सी/25/9941 — अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER WATER RESOURCES ZONE, JAIPUR

Sinchai Bhavan. J.L.N. marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail-acejpr.wr@gmail.com

No. F(406)/ACE/JPR/Acctts/2025-26/2867 Date: 29.08.2025

e-NIB NO. 19/2025-26

On behaalf of the Governor of Rajasthan.bids are invited from eligible bidders for the work of-

1. Rehabilitation of Mohanpura Irrigation Project District Karauli (Estimated value of work is Rs. 418.63 Lac)

Last date of submission of Bid is 24.09.2025. Detailed Bid & Bid document can be seen on & downloaded from official website (https://eproc.rajasthan.gov.in, & http://sppp.raj.nic.in)

NIB CODE NO. WRD2526A0380, UBN NO. WRD2526WSOB00922

Additional Chief Engineer, WRD Zone Jaipur

DIPR/C/12991/2025

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग प्रथम, जोधपुर

क्रमांक-9099 दिनांक-02.09.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-21 वर्ष 2025-26

NIB NO. PWD2526A3056

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जालौर शहर की रिंग रोड निर्माण हेतु डीपीआर के कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रूपये 80.00 लाख है अत उक्त कार्यो के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB NO. PWD2526A3056,
UBN NO. PWD2526SLOB11459
DIPR/C/13068/2025

(नेमी चन्द शर्मा) अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सा.नि.वि. संभाग प्रथम, जोधपुर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/138 - 140 Date :- 11/09/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या : 37/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 39.62 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 12.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 18.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 12.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 18.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 19.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट **urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in** व **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00251

राज.संवाद/सी/25/9900 — अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत, उदयपुर विकास प्राधिकरण

CAVEAT NOTICE

IN THE RAJASTHAN CIVIL SERVICES APPELLATE TRIBUNAL AT JAIPUR

APPEAL No. /2025 Versus State of Rajasthan & Ors.

1. State of Rajasthan through Secretary, Panchayati Raj and Rural Development Department, Government of Rajasthan, Secretariat, Jaipur-302005
2. Commissioner, Panchayati Raj and Rural Development Department, Government of Rajasthan, Secretariat, Jaipur-302005
3. Deputy Commissioner and Joint Administrative Secretary (II), Panchayati Raj and Rural Development Department, Rajasthan, Government Secretariat, Jaipur-302005.
4. Chief Executive Officers, All Districts, Panchayati Raj and Rural Development Department.

CAVEATOR / PROPOSED RESPONDENTS

VERSUS

Any person / Additional Block Development Officeras per seniority list dated 01.04.2022, 01.04.2023, 01.04.2024, 01.04.2025

RESPONDENT / APPREHENDED APPELLANT

CAVEAT UNDER RULE 37 OF RAJASTHAN CIVIL SERVICES (SERVICES APPELLATE TRIBUNAL RULES).THE CAVEATOR ABOVE NAMED MOST RESPECTFULLY BEGS TO SUBMIT AS UNDER:

MOST RESPECTFULY SHOWETH,

That the caveator is State of Rajasthan through its Department of Panchayati Raj and Rural Development and has vide Rajkaaj Ref. No. 17580876 dated 04.09.2025 had issued provisional seniority list for Additional Block Development Officer of Rajasthan Rural Development and Panchayati Raj State and Subordinate Services as per 1st April 2022,1st April 2023,1st April 2024,1st April 2025.

Any person /Additional Block Development Officerof Rajasthan Rural Development and Panchayati Raj State and Subordinate Servicesmay be aggrieved by the said order of provisional seniority list may file an appeal before the Hon'ble Rajasthan Civil Services Appellate Tribunal and may pray for the stay of the provisional seniority list Rajkaaj Ref. No. 17580876 dated 04.09.2025 by the caveator State.

It is prayed that the caveator / proposed respondent apprehend that during the course of seniority and promotion will be affected if any appeal preferred by the aggrieved parties seeking interim relief / reliefs is allowed. The caveator has engaged Miss. Radhika Maharwal, Advocate,Additional Standing Government Counsel, Department of Panchayati Raj and Rural Developmentas its counsel to argue and oppose the application for interim relief filed by the proposed petitioners along with their petition. In the facts and circumstances of the case, this Hon'ble Tribunal may kindly permit the caveator to appear through its counsel and argue the case at the time of hearing on the application for grant of interim relief.

It is, therefore,prayed that this Hon'ble Tribunal may kindly allow this application and permit the caveator to appear and argue at the time of hearing on the petition/interim application, if any, filed by the proposed petitioner, in the interest of justice.

Radhika Maharwal
Advocate
(Additional Standing Government Counsel,
Rajasthan Civil Services Appellate Tribunal at Jaipur)

Raj.Samwad/C/25/9860

कार्यालय नगरपरिषद् चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./सफाई शाखा/2025–26/17650379 दिनांक :– 11.09.2025

ई–निविदा सूचना 54 वर्ष 2025–26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, द्वारा कार्य की निविदा आईडी नम्बर **DLB2526A5780** आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

UBN Code :- DLB2526SLOB17663

राज.संवाद/सी/25/9978 — आयुक्त, नगरपरिषद चूरू

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला–पाली

टेलि न./फैक्स न. – (02938) 236170/236883, ई–मेल – eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 05:00 PM Date 09-09-2025 to 22-09-2025 Date 05:00 PM Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,

UBN :- DLB2526WSOB17204, DLB2526WSOB17206

Raj.Samwad/C/25/9825 — Executive Officer

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाउन हॉल, सूरजपोल के पास, पाली, पिनकोड-306401) टेली-फैक्स:- 02932-250033, ई-मेल :- cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक :- प.5( )भण्डार/2025/105 दिनांक :- 08/09/2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम पाली में भण्डार कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की गयी है निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते निगम कार्यालय एवं एवं वेबपार्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in** पोर्टल व **http://sppp.rajasthan.gov.in** के UBN No. DLB2526WSOB17236 के जरीये देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/9882 — आयुक्त, नगर निगम पाली

MUNICIPAL COUNCIL LALSOT DISTT. DAUSA

S.No.:-NPL./works/2025/ 2951 Date:- 11-09-2025

NIB –01/2025-26

Municipal Board Lalsot invites online open competitive bids for various types of works through Scheme from interested bidder upto 23-09-2025 till 06:00 PM. Other Particulars of the bid may be visited on http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in and at office.

UBN:-DLB2526WSOB17465, 17470 , 17475

Raj.Samwad/C/25/9994 — President, Municipal council Lalsot — Commissioner, Municipal council Lalsot

भारत सरकार, रेल मंत्रालय रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 04/2025
सेक्शन कंट्रोलर के विभिन्न पदों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका में दिए गए सेक्शन कंट्रोलर के पद के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14.10.2025 है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

आवेदन शुरू होने की तिथि : 15.09.2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 14.10.2025 (23:59 घंटे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक (रू)	चिकित्सा मानक	01.01.2026 को आयु	कुल रिक्तियां (आरआरबी)
सेक्शन कंट्रोलर	6	35400	ए2	20–33	368

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण सत्यापित करें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा पास प्रमाण पत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाएगा। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा।

यह अधिसूचना पूरी तरह से सांकेतिक प्रकृति की है। पूर्ण विवरण के लिए, आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन संख्या 04/2025 (सेक्शन कंट्रोलर) को अच्छी तरह से पढ़ें। विस्तृत सीईएन–04/2025 और उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय–समय पर नीचे सूचीबद्ध आरआरबी की वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

सीएन संख्या 04/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं

Ahmedabad www.rrbahmedabad.gov.in	Guwahati www.rrbguwahati.gov.in	Prayagraj www.rrbald.gov.in
Ajmer www.rrbajmer.gov.in	Jammu Srinagar www.rrbjammu.nic.in	Ranchi www.rrbranchi.gov.in
Bhopal www.rrbbhopal.gov.in	Kolkata www.rrbkolkata.gov.in	Secunderabad www.rrbsecunderabad.gov.in
Bhubaneswar www.rrbbbs.gov.in	Malda www.rrbmalda.gov.in	Siliguri www.rrbsiliguri.gov.in
Bilaspur www.rrbbilaspur.gov.in	Mumbai www.rrbmumbai.gov.in	Bengaluru www.rrbbnc.gov.in
Chandigarh www.rrbcdg.gov.in	Muzaffarpur www.rrbmuzaffarpur.gov.in	Gorakhpur www.rrbgkp.gov.in
Chennai www.rrbchennai.gov.in	Patna www.rrbpatna.gov.in	Thiruvananthapuram www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

संख्या आरआरबी/अज/एडीवीटी/04/2025
दिनांक: 13.09.2025 — अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, सांभर लेक जिला जयपुर (राज0)

E-Mail:-sambharnagarpalika@gmail.com Phone No. 01425-228245

क्रमांकः– न.पा.सा./भू.वि./2025–26/1299 दिनांक :– 10.09.2025

ई–ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड भूमि नीलामी सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरीय क्षेत्र के नवीन न्यायालयों के पास सांभर–नावां बायपास सड़क मार्ग पर स्थित निकाय की आवासीय एवं व्यावसायिक योजना "जागेश्वर विहार" सांभर लेक में स्थित आवासीय/व्यावसायिक भूखण्डों का नीचे दर्शित भूखण्ड संख्या व साईज अनुसार निम्नांकित दिवसों में विक्रय किये जायेंगे। निलामी से सम्बन्धित नियम/शर्ते मानचित्र एवं निलामी से सम्बन्धित अन्य जानकारी https://lsgeauction.rajasthan.gov.in (SSO ID के माध्यम से) देखी जा सकती है। सम्पर्क सूत्र श्री दिनेश कुमार कावंत (9413238132) कनिष्ठ अभियन्ता एवं श्री गणेश नारायण शर्मा कनिष्ठ लिपिक (7568267461) नगरपालिका सांभर रहेगें। भूखण्ड जिस स्थान व जिस स्थिति में होगें उसी स्थिति में विक्रय किये जायेगें। जिनका विवरण निम्न हैं :–

क0 सं0	योजना का नाम	भूखण्ड/दुकान संख्या	नाप क्रमशः (भूखण्ड संख्या अनुसार वर्गगज में)	न्यूनतम निर्धारित दर प्रति वर्ग मीटर	तादाद	आवासीय/व्यावसायिक	धरोहर राशि प्रति भूखण्ड/दुकान	बोली प्रकिया/आवेदन शुल्क	निलामी तिथि
1	जागेश्वर विहार	S-1	23.34 वर्ग मीटर कॉर्नर	10000	07 दुकान	व्यावसायिक	25000	1000/– प्रति भूखण्ड	06.10.2025 से 08.10.2025
		S-2	18.00 वर्ग मीटर						
		S-3	18.00 वर्ग मीटर						
		S-4	18.00 वर्ग मीटर						
		S-5	18.00 वर्ग मीटर						
		S-6	18.00 वर्ग मीटर						
		S-7	18.00 वर्ग मीटर						
2	जागेश्वर विहार	P. No.01	42.53 वर्ग मीटर	5000	08 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.02	47.26 वर्ग मीटर						
		P. No.03	60.75 वर्ग मीटर						
		P. No.04	73.83 वर्ग मीटर						
		P. No.05	83.07 वर्ग मीटर						
		P. No.06	76.29 वर्ग मीटर						
		P. No.07	82.71 वर्ग मीटर						
		P. No.09	171.02 वर्ग मीटर (कॉर्नर)						
3	जागेश्वर विहार	P. No.10	140.38 वर्ग मीटर (कॉर्नर)	5000	04 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.11	83.98 वर्ग मीटर						
		P. No.12	79.08 वर्ग मीटर						
		P. No.13	88.19 वर्ग मीटर						
4	जागेश्वर विहार	P. No.14	80.86 वर्ग मीटर	5000	04 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	06.10.2025 से 08.10.2025
		P. No.15	68.94 वर्ग मीटर						
		P. No.16	54.60 वर्ग मीटर						
		P. No.17	49.86 वर्ग मीटर						
5	जागेश्वर विहार	P. No.18	82.66 वर्ग मीटर कॉर्नर	5000	7 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.19	80.92 वर्ग मीटर						
		P. No.20	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.21	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.22	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.23	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.24	128.20 वर्ग मीटर						
6	जागेश्वर विहार	P. No.25	108.51 वर्ग मीटर	5000	8 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.26	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.27	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.28	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.29	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.30	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.31	127.62 वर्ग मीटर कॉर्नर						
		P. No.33	62.89वर्ग मीटर						
		P. No.42	104.69 वर्ग मीटर						
		P. No.43	88.22 वर्ग मीटर						
		P. No.44	77.97 वर्ग मीटर						
		P. No.45	79.51 वर्ग मीटर						
		P. No.46	52.81 वर्ग मीटर						

ई– नीलामी संबंधित समय व दिनांक का विवरण:–

ई– नीलामी से संबंधित विवरण व शर्ते वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in व ई– ऑक्शन एप्लीकेशन (E-Auction application) के माध्यम से देखी जा सकती है।

निलामी दिनांक 06.10.2025 से 08.10.2025 का विवरण

विवरण	दिनांक व समय
ई– नीलामी आवेदन डाउनलोड करने की तारिख	26.09.2025 रात 12 बजे से 05.10.2025 सायं 6.00 बजे तक
ई– नीलामी में भाग लेने हेतु अमानता राशि जमा करवाने की तारीख	29.09.2025 रात 12 बजे से 05.10.2025 सायं 6.00 बजे तक
ई–नीलामी की तारीख	06.10.2025 प्रातः 10.00 बजे से 08.10.2025 सायं 4.00 बजे तक

निलामी शर्ते :–

1. यह भूमि विक्रय राज.न.पा. भूमि निष्पादन नियम 1974 के नियम से संशोधन 2 के 2019 व उसके जारी परिपत्रों के अन्तर्गत की जा रही हैं।
2. इच्छुक बोलीदाता की अपनी स्वयं की SSO ID होना अनिवार्य है। निलामी बोलीदाता निलामी भागीदारी शुल्क एवं अमानता राशि अपनी SSO ID से G2c ऐप में LSG E-AUCTION लिंक पर अपनी प्रोफाईल बनाकर जमा करवाकर ही निलामी में भाग ले सकते है। निलामी से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है।
3. बोली लगाने से पूर्व बोलीदाता को प्रत्येक भूखण्ड हेतु निर्धारित अमानता पृथक–पृथक जमा होने पर बोली में भाग ले सकेगें। उक्त धरोहर (अमानता) राशि ऑनलाईन ही जमा करवाना अनिवार्य होगा।
4. नीलामी बोली में कॉर्नर प्लाट पर अन्तिम नीलामी बोली की 10 प्रतिशत अतिरिक्त राशि देय होगी।
5. जिस व्यक्ति के नाम अमानता राशि की रसीद कटेगी। पालिका द्वारा उसी व्यक्ति के नाम का पट्टा जारी किया जायेगा। नाम में किसी प्रकार का संशोधन नही किया जायेगा।
6. उच्चतम बोली लगाने वाले को निलामी की दिनाँक से तीन कार्य दिवसों के भीतर अपनी बोली का 15 प्रतिशत राशि जमा करवाना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर उक्त राशि जमा करवाने में विफलता के कारण बोलीदाता द्वारा जमा करवायी गई अमानता राशि जब्त कर ली जायेंगी और भूमि की निलामी स्वचालित रूप से रद्द मानी जावेगी।
7. सफल बोलीदाता द्वारा बोली का बकाया 35 प्रतिशत राशि निलामी तिथि से 120 दिनों के भीतर जमा करवाना अनिवार्य होग तथा शेष 50 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 180 दिनो में जमा करवाना अनिवार्य होगी। विफल रहने पर 18 प्रतिशत की दर से ब्याज सहित राशि जमा करवाना अनिवार्य होगा। बोली दाता डिमांण्ड नोटिस की तारीख से 15 दिवस के भीतर सम्पूर्ण राशि करवाता है तो 01 प्रतिशत की बोली राशि में छूट मिलेगी।
8. भूखण्ड आवासीय/व्यवसायिक 99 वर्षीय लीज होल्ड पर अरबन सेटलमेन्ट ग्राउण्ड रेंट के आधार पर विकय किये जायेगें। जिसकी लीज राशि आरक्षित दर पर व्यावसायिक की 5 प्रतिशत व आवासीय की 2.50 प्रतिशत नियमानुसार केता को जमा करानी होगी।
9. लीज–डीड शाश्वत पत्र का विधिवत पंजीयन करवाना अनिवार्य होगा जिसके स्टाम्प व नक्शा एवं रजिस्ट्री का व्यय केता का होगा
10. बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता/अध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांभर लेक के पास सुरक्षित रहेगा जिसका कारण बताना आवश्यक नहीं होगा
11. भूमी का मानचित्र एवं शर्ते प्रतिबन्धों व समस्त जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है।
12. उपरोक्त भूखण्डों का क्षेत्रफल कम या ज्यादा होगा तो उसके आधार पर राशि जमा करानी होगी।
13. ई–निलामी बोली दौरान किसी भी भूखण्ड में किसी भी प्रकार का यदि कोई वाद–विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो उस भूखण्ड की बोली स्थगित/निरस्त करने का अधिकार अधिशाषी अधिकारी सांभर लेक में निहित होगा।
14. ई–निलामी बोली में असफल रहने वाले बोलीदाताओं की अमानता राशि 15 दिवस में स्वतः ही नगरपालिका द्वारा उनके खाते में स्थानान्तरित की जावेगी। असफल बोलीदाताओं को पृथक से कोई आवेदन करने की आवश्यकता नही होगी।
15. तीन वर्ष की अवधी के अन्दर नियमों के अन्तर्गत मानचित्र स्वीकृत कराकर केता को भवन निर्माण करना होगा। यदि तीन वर्ष की अवधी में भवन निर्माण नहीं कराया गया तो जमा करायी गयी राशि को बगैर लौटाये पालिका द्वारा राशि जब्त कर भूखण्ड को निरस्त कर अपने कब्जे में ले लिया जाकर पुनः निलामी की कार्यवाही की जावेगी।
16. ई–ऑक्शन में अधिकतम दर ही स्वीकार की जावेगी। उपरोक्त वर्णित भूखण्डों की निलामी बोली 100/–रू के गुणांक में बढाकर लगाये जाने पर ही स्वीकार होगी।
17. आवासीय भूखण्ड कि दर 5000 रूपये प्रति वर्गमीटर व व्यवसायिक भूखण्ड कि दर 10000 रूपये प्रति वर्गमीटर नियत है।
18. अन्य जानकारी के लिए कार्यालय नगर पालिका सांभर लेक में सम्पर्क करें। सम्पर्क सुत्र श्री गोपाल सिंह पंवार, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय, नगर पालिका सांभर लेक (मो. नं. 9460501691)

नीलामी में भाग लेने हेतु आवश्यक निर्देश :–

1. नगर पालिका सांभर लेक द्वारा आयोजित आवासीय भूखण्डों की ई–नीलामी कार्यक्रम में भाग लेने हेतु नगर पालिका सांभर लेक की वेबसाईट पर जाने हेतु https://lsgeauction.rajasthan.gov.in पर क्लिक करें।
2. इसके पश्चात् ई–नीलामी में ऑनलाईन भाग लेने के लिए क्लिक करें– जिसके उपरान्त **SSO ID** विन्डो ओपन होगी।
3. **SSO ID** से **Login** कर **Lsg-E-Auction Portal** पर अपनी प्रोफाईल बनाकर नीलामी में भाग ले सकते हैं।
4. रजिस्ट्रेशन प्रकिया में किसी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए दूरभाष नं. श्री दलपत सिंह राठौड़, कनिष्ठ सहायक, 9549496666, श्री रणजीत रैबारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर (सविंदाकर्मी), 9351176961 पर सम्पर्क किया जा सकता हैं। ई–नीलामी पोर्टल पर आवेदक को अपनी बिडिंग प्रोफाईल, आवश्यकता अनुसार दस्तावेजों एवं सिस्टम द्वारा चाही गई सूचनाओं को अद्यतन **(Upload)** किया जाना होगा। अतः आवेदक से अपेक्षा की जाती है कि नीलामी में भाग लेने से पूर्व उक्तानुसार प्रकिया समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। प्रोफाईल अनुमोदित होने के पश्चात ही बोलीदाता नीलामी प्रकिया में भाग लेने योग्य होगा।
5. नीलामी से संबंधित नियम व शर्तो की जानकारी कार्यालय नगर पालिका सांभरलेक मं सम्पर्क कर एवं वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/9805 — अध्यक्ष — अधिशाषी अधिकारी

केंद्रीय कानून मंत्री के बीकानेर में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना संबंधी बयान का विरोध

जोधपुर के वकीलों का आक्रोश फूटा, न्यायिक कार्यों का बहिष्कार कर प्रदर्शन किया

- बीकानेर में सर्किट बेंच के मुद्दे पर आयोजित बैठक में कानून मंत्री के सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयान पर चर्चा की गई
- बयान में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की आगामी बीकानेर यात्रा के दौरान वहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना की बात कही गई थी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट और अधीनस्थ न्यायालयों के वकीलों ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के बीकानेर में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना संबंधी बयान के विरोध में शुक्रवार को न्यायिक कार्यों का स्वैच्छिक बहिष्कार कर प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लायर्स एसोसिएशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया ने कहा कि सरकार ने करीब पांच दशक पहले जो भूल की थी, उसी तरह की दुबारा कोशिश को अधिवक्ता कामयाब नहीं होने देंगे। ऐसी किसी भी मंशा के खिलाफ तमाम अधिवक्ता एकजुट हैं और न्यायिक राजधानी की प्रतिष्ठा को कायम रखने के लिए हर स्तर पर आंदोलन के लिए तैयार हैं। वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण शुक्रवार को अदालतों में न्यायिक कामकाज प्रभावित हुआ है।

बीकानेर में सर्किट बेंच के मुद्दे पर अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया और कार्यवाहक अध्यक्ष पिंटू पारिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कानून मंत्री के सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयान पर चर्चा की गई। इस बयान में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की आगामी बीकानेर यात्रा के दौरान वहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना की बात कही गई थी। दोनों एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। वकीलों ने कहा कि पांच दशक पहले जो भूल की थी, उसी तरह की दुबारा कोशिश को एडवोकेट कामयाब नहीं होने देंगे।

एडवोकेट्स एसोसिएशन के महासचिव शिवलाल बरवड़ और लॉयर्स एसोसिएशन के महासचिव मनीष टॉक ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि 12 सितंबर को सभी अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर मुख्यपीठ और समस्त अधिनस्थ न्यायालयों में व्यक्तिगत और वर्चुअल से उपस्थिति नहीं देंगे। न्यायिक कार्यों का स्वैच्छिक रूप से बहिष्कार किया जा रहा है। दोनों एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर निवेदन किया गया है कि 12 सितंबर को किसी भी प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही न कराई जाए। इसके साथ ही सभी अधिवक्ताओं से भी अपील की गई है कि वे राजस्थान उच्च न्यायालय मुख्यपीठ के गौरव और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने के लिए समस्त न्यायालयों में स्वैच्छिक रूप से उपस्थिति प्रदान न करते हुए सहयोग प्रदान करें।

बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने राजस्थान उच्च न्यायालय को अखंड रखने के लिए अपने विचार रखे। इनमें रवि भंसाली, जी.आर. पूनिया, राजेश जोशी, आर.के. थानवी, जगमालसिंह चौधरी, जे.एल. पुरोहित, संजीव जोहरी, मनीष सिसोदिया, धीरेन्द्र सिंह दासपा, दिलीपसिंह उदावत, मनोज भंडारी और डॉ. अशोक सोनी आदि वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल थे। बैठक में आगामी कार्यवाही के लिए एक कमेटी गठन का निर्णय भी लिया गया। एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ठोलिया ने चेतावनी दी कि यदि सरकार राजस्थान उच्च न्यायालय को खंडित करने का प्रयास करती है तो पश्चिमी राजस्थान के गौरव की रक्षा और न्यायिक राजधानी के हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने पड़ेंगे और न्यायिक कार्यों का अनिश्चितकाल के लिए बहिष्कार भी करना पड़ सकता है। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष महेंद्र शांडलिया ने जोधपुर के अधिवक्ताओं को सहयोग प्रदान करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री के व्यक्तव्य की भर्त्सना की। उन्होंने 12 सितंबर को राजस्थान उच्च न्यायालय बैंच जयपुर के न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करने की घोषणा कर जोधपुर के अधिवक्ताओं को समर्थन दिया। शुक्रवार की बैठक में दोनों एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें उपाध्यक्ष धीरेन्द्र दाधीच, सहसचिव विजेन्द्र पुरी और ऋषि सोनी, पुस्तकालय सचिव कांता राजपुरोहित और चिरांग खत्री, कोषाध्यक्ष विमल कुमार माहेश्वरी और शुभम मोदी, एडवोकेट दिनेश जैन सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता थे।

खारी नदी में डूबे छात्र का शव मिला

शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने शव निकाला

- ग्रामीणों ने करीब 24 घंटे तक छात्र को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र में गजसिंहपुरा गांव के पास गुरुवार शाम तीन बजे खारी नदी में डूबे 17 वर्षीय छात्र सुशील मेघवंशी का शव 26 घंटे बाद मिल पाया है।

शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के गजसिंहपुरा निवासी सुशील मेघवंशी गुरुवार शाम को स्कूल की छुट्टी के बाद दो दोस्तों के साथ ट्यूशन की कहकर घर से निकला था, जो खारी नदी में डूब गया। जिससे से दो दोस्तों को ग्रामीणों ने नदी से बचा लिया, जिसके बाद एक की लगातार तलाश जारी थी। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने करीब 24 घंटे तक छात्र को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद, शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

शंभूगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि लगातार अभियान जारी है, जल्द ही सफलता मिल जाएगी। वहीं छात्र सुशील मेघवंशी के पिता जगदीश मेघवंशी जो पैर से दिव्यांग है, उन्होंने बताया कि छात्र घर से ट्यूशन के लिए निकला था, लेकिन अभी तक नहीं लौटा। बताया कि वो कक्षा 11 में पढ़ाई करता है। इससे बड़ा पुत्र वो कक्षा 12 में पढ़ाई करता है। ये सुशील मेघवंशी सबसे छोटा पुत्र है वहीं खारी नदी के पास ही उनके खेत है। ग्रामीण बारनी निवासी जीवण गुर्जर ने बताया कि कल शाम चार बजे खारी नदी से दोनों छात्र पारस भील और प्रकाश गुर्जर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। वहीं तीसरे की तलाश 26 घंटे बाद पूरी हुई।

इंग्लिश मीडियम स्कूलों में हिंदी माध्यम का विकल्प भी, आदेश जारी

- राज्य के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी मीडियम के विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे
- इन स्कूलों में हिंदी माध्यम का संचालन शैक्षणिक सत्र 2025-26 से किया जाएगा

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी मीडियम के विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में तीन बिंदुओं की गाइडलाइन संयुक्त निदेशक और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी की है।

गाइडलाइन के मुताबिक बीकानेर सहित राज्य के 28 जिलों के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब विद्यार्थियों को इंग्लिश मीडियम के साथ-साथ हिंदी मीडियम में पढ़ने का विकल्प मिलेगा। इन स्कूलों में हिंदी माध्यम का संचालन शैक्षणिक सत्र 2025-26 से किया जाएगा। इन 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों से संबंधित जिन ग्राम पंचायत में हिंदी माध्यम का उच्च माध्यमिक स्तर का विद्यालय नहीं है। वहां हिंदी माध्यम की कक्षाओं का भी संचालन किया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं का अध्यापन कार्य करवाने वाले शिक्षक ही हिंदी माध्यम की कक्षाओं के विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। 28 जिलों की 98 स्कूलों में बीकानेर की दो स्कूलों का नाम शामिल है। जिसमें से एक लूणकरणसर और दूसरी खाजूवाला ब्लॉक में है।

अजमेर : आनासागर झील के किनारे बने सेवन वंडर पार्क को तोड़ने की कार्रवाई शुरु

अजमेर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने व पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए थे सात अजूबे

भारी भरकम क्रेन, पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनों से सेवन वंडर तोड़ने की कार्रवाई शुरु की।

- प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर 17 सितंबर तक सेवन वंडर तोड़ने की समय सीमा तय की थी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने व पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए सात अजूबों (सेवन वंडर पार्क) पर सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेशों की पालना करते हुए बुलडोजर से शुक्रवार सुबह अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्यवाही के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं मीडिया को भी अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर 17 सितंबर तक सेवन वंडर तोड़ने की समय सीमा तय की थी।

पहले तोड़ा रोम कोलोसियम:- सेवन वंडर में कार्यवाही के लिए भारी भरकम क्रेन, पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनें लाई गई। एडीए टीम ने सबसे पहले रोम के कोलोसियम की प्रतिकृति को तोड़ा। जेसीबी और मजदूरों की मदद से इसे मलबे में तब्दील कर दिया गया। इसके बाद मिस्र के पिरामिड की फर्श तोड़ने का काम भी शुरू किया गया। ताजमहल, एफिल टॉवर और पीसा की झुकी हुई मीनार पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है।

याचिकाकर्ता की दलील और कोर्ट का रुख:- आनासागर झील के आसपास वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना को लेकर पूर्व पार्षद अशोक मलिक ने 11 मार्च 2023 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में रिट लगाई थी। 11 अगस्त 2023 को एनजीटी की भोपाल बेंच ने अपने आदेश में सेवन वंडर्स पार्क, पटेल स्टेडियम, गांधी स्मृति उद्यान और झील के चारों ओर बने फूड कोर्ट को ध्वस्त करने का आदेश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी फटकार:- एनजीटी ने माना था कि वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना कर निर्माण किया गया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में कहा कि आप की कार्यप्रणाली से ऐसा नहीं लगता कि आप अजमेर को स्मार्ट बनाना चाहते हो, हमें आश्चर्य है कि शहर में जल निकायों, आद्र भूमि (वेटलैंड) की सुरक्षा के बिना कोई शहर कैसे स्मार्ट बन सकता है और जल निकायों, आद्र भूमि (वेटलैंड) पर अतिक्रमण करके शहर कैसे स्मार्ट बन सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश की पालन की जा रही है। 17 सितंबर तक पूरी संरचना हटाना हैं।

26 दिसंबर 2020 को जारी हुई थी निविदा:- स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत 10.5 करोड़ की लागत की निविदा जारी की गई थी। तकनीकी प्रक्रिया पूरी करने के बाद वर्क ऑर्डर जारी किए गए थे। समय के साथ प्रोजेक्ट की लागत बढ़ी। ये प्रोजेक्ट करीब 11.64 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया गया। इस पार्क में ताजमहल, एफिल टॉवर, मिस्र के पिरामिड, पीसा की झुकी मीनार, रोम का कोलोसियम, न्यूयॉर्क का स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी और ब्राजील का रियो डी जेनेरियो की क्राइस्ट दी रिडीमर प्रतिमाएं लगाई गई थीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022 में इसका उद्घाटन किया था। मार्च 2025 में सबसे पहले स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को हटाने की कवायद की गई थी। यहां उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए सेवन वंडर्स पार्क को लेकर दो साल से ज्यादा समय तक मामला कानूनी दाव पेच में उलझा रहा, आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब तोडने की कार्यवाही शुरू हुई।

अशोक मलिक, याचिकाकर्ता का कहना है कि 17 मार्च 2025 को चीफ सेक्रेटरी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया था, उसकी पालना में ही यह सेवन वंडर तोड़ने की कार्वाई की जा रही है। इसका निर्माण करते समय प्रशासन ने मिट्टी भरी और आनासागर का भराव क्षेत्र का दायर कम कर दिया, प्रशासन को मिट्टी को खोदकर आनासागर का भराव क्षेत्र सड़क तक लाया जाए, उन्होंने साथ ही 39 अवैध निर्माण किए गए हैं, उनको भी तोड़ा जाए।

एयरफोर्स जवान को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी

अजमेर, (कासं)। अजमेर निवासी पश्चिम बंगाल के हासीमारा एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात वायुसेना के जवान पुलकित नाथ की गोली लगने से मौत हो गई। शुक्रवार सुबह जवान का पार्थिव शरीर अजमेर पहुंचा तो पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। सेना के जवानों ने उन्हें अंतिम विदाई देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम सैल्यूट दिया। सैन्य जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

अजमेर कोटड़ा निवासी पुलकित नाथ 9 सितंबर को गोली लगने की घटना के शिकार हुए थे। एयरफोर्स अधिकारियों ने 10 सितंबर को परिवार को सूचना दी थीं, पार्थिव देह दिल्ली से सेना वाहन में शुक्रवार सुबह अजमेर पहुंची, जहां कोटड़ा स्थित घर पर जवान की पार्थिव देह अंतिम दर्शन के लिए रखी गई। इसके बाद पार्थिव देह को राम नगर के पैतृक घर लाया गया, जहां पुलकित के घर पार्थिव देह पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। पिता राजेंद्र प्रसाद, मां और दो बहनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अंतिम यात्रा बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, प्रशासनिक अधिकारी व शहरवासी शामिल हुए।

पुलकित नाथ ने बीटेक करने के बाद 2018 में एयरफोर्स जॉइन की थी। वे हाल ही में छुट्टी पर आए थे और 5 सितंबर को बहनों के साथ जयपुर में जन्मदिन भी मनाया था।

कुछ दिनों बाद ही ड्यूटी पर लौटे थे। गोली लगने के कारण की जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। अंतिम यात्रा के दौरान एयरफोर्स के जवानों ने पुलकित नाथ को अंतिम सलामी दी। राम नगर स्थित श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। जवान के पिता ने बताया कि पुलकित पढ़ाई में काफी होशियार थे।

एनिकट में डूबने से किशोरी की मौत

उदयपुर, (निसं)। एनिकट में नहाने के दौरानपानी में डूबने से किशोरी की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुराबड़ थाना क्षेत्र उमरड़ा निवासी लता कुमारी (13) पुत्री लालूराम मीणा की दामाखेड़ा एनिकट खारवा में नहाने गई थी, जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक को बाहर निकाल कुराबड चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है, जिसका शनिवार को पोस्टमार्टम होगा। लता कुमारी खारवा दामा खेड़ा निवासी अपने मौसा हवजी के यहां पर गत चार पांच माह से रह रही थी। दोपहर में वह एनिकट पर नहाने गई थी। वहीं कुराबड़ थाना क्षेत्र कोट गांव निवासी वालचंद (26) पुत्र रूपाजी डांगी ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई।

बंदी की मौत : उदयपुर के एमबी चिकित्सालय में उपचाररत बंदी की मौत हो गई। उदयपुर केन्द्रीय कारागृह में चार वर्ष की साधारण कारावास की सजा काट रहे बंदी बोडामली थाना धंबोला डूंगरपुर निवासी सुरेश पुत्र लक्ष्मण मीणा की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। सुरेश 22 अगस्त 2025 से जेल में सजा काट रहा था। जिसकी तबीयत खराब होने पर उसे 7 सितंबर को उपचार के लिए भर्ती करवाया था।

अवैध शराब से भरी कार जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में ऋषभदेव थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी के दौरान कार को रोक तलाशी ली, जिसमें 5 कर्टन शराब के पाए गए। इस पर कार मय शराब जब्त कर आरोपी विनोद कुमार पुत्र गणेशलाल निवासी निचला आमला मांडवा ऋषभदेव को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

16 लाख की नगदी से भरी एटीएम मशीन उखाड़ ले गये बदमाश

गार्ड के साथ मारपीट कर स्प्रे का छिड़काव कर बेहोश किया और हाथ-पैर बांध दिये

एफएसएल टीम और पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाश ड्यूटी पर तैनात गार्ड को बंधक बनाकर करीब 16 लाख 47 हजार की नगदी से भरी एसबीआई बैंक की एटीएम मशीन को उखाड़ कर साथ ले गये। स्कार्पिओ में सवार बेखौफ बदमाश केवल आठ मिनिट में ही लूट की वारदात को अंजाम तक पहुंचाकर फरार हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाश रात्रि करीब ढ़ाई बजे रूपनगढ़ रोड़ विश्वकर्मा स्कूल के सामने स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ में घुस गये और गार्ड बालकिशन शर्मा के साथ मारपीट कर स्प्रे का छिड़काव कर बेहोश कर दिया। साथ ही हाथ पैर मुंह बांध दिये। एटीएम मशीन के बारे में पूरी जानकारी रखने वाले शातिर बदमाशों ने बिजली प्लग हटाकर गैस कटर का उपयोग कर महज आठ मिनिट में मशीन को पट्टे से खींच स्कार्पियों में रख दिया। वारदात का अहम पहलू यह कि जिस अंदाज कार्यशैली के जरिये बदमाशों ने नगदी लूटी, निश्चित तौर पर यह पहले से एटीएम मशीन तोड़ने के लिये ट्रेनिंग ले चुके थे। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने तत्काल घटना स्थल का मौका मुआयना कर हर पहलू की बारीकी से जांच पड़ताल की। बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज सहित एफएसएल टीम द्वारा जुटाये गये साक्ष्य को जांच के दायरे में शामिल कर लिया है। अहम सुराग हाथ लगने पर बदमाशों को पकड़ने के लिये विभिन्न पुलिस टीमें गठित कर संभावित स्थानों पर रवाना की गई। गांधीनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केन्द्रीय रेलमंत्री को फुलेरा जंक्शन पर धीमी गति से चल रहे कार्यों से अवगत कराया

केन्द्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव जयपुर पर पहुंचे।

- फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष के नेतृत्व में शिष्टमंडल की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री अश्विन वैष्णव को जयपुर में ज्ञापन दिया
- फुलेरा जंक्शन को ''अमृत भारत योजना'' में जोड़कर जंक्शन का जीर्णोद्धार/विस्तार/पुनर्विकास के लिए धन्यवाद भी दिया

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री अश्विन वैष्णव के जयपुर जंक्शन के नवीन प्रवेश द्वार गेट सं. 2 के उद्घाटन अवसर पर भेंट कर ज्ञापन प्रेषित किया गया। यह ज्ञापन फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक तिवाड़ी ने दिया।

ज्ञापन में बताया कि फुलेरा जंक्शन को ''अमृत भारत योजना'' में जोड़कर जंक्शन का जीर्णोद्धार/ विस्तार/ पुनर्विकास के लिए धन्यवाद देते हुए धीमी गति से चल रहे कार्यों पर चिंता भी जताई। साथ ही उन्होंने बताया कि फुलेरा जंक्शन पर यात्रियों व स्टॉफ को उपलब्ध पेयजल में टीडीएस की मात्रा अधिक होने पर भी मजबूरन वही जल पीना पड़ रहा है, यहां जोधपुर जंक्शन की तर्ज पर सेंट्रलाइज वाटर फिल्टर स्थापित करवाया जाए। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे करोड़ों रुपए लगाकर फुलेरा जंक्शन के सौंदर्यकरण पर खर्च कर रहा है, परंतु मुख्य प्रवेश द्वार की चौड़ाई मात्र 10 फीट है, जिसके कारण प्लेटफॉर्म पर आवागमन बाधित रहता है। प्रवेश द्वार को अविलंब चौड़ा करवाया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में बताया कि फुलेरा जंक्शन को वर्ष 2023 में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव शेड की सौगात प्रदान की गई थी, जिससे समस्त व्यापारी व आमजन में खुशी की लहर थी, परंतु विभाग द्वारा अभी तक प्रेषित इस सौगात को किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाया गया, जिसका अभिलम्ब अग्रिम आदेश दिया जाये। फुलेरा जंक्शन तक आने के लिए यात्रियों को ऑटो, निजी वाहनों से आना पड़ता है, परंतु इतने बड़े जंक्शन पर ना ऑटो स्टैंड है ना ही कार पार्किंग व्यवस्था की समुचित व्यवस्था है।

ज्ञापन में बताया कि प्लेटफार्म नं 1 पर पुराने फुट ओवरब्रिज के स्थान पर नवीन ओवरब्रिज स्वीकृत कर हमें संजीवनी प्रदान करी थी व कहा था कि यह पूर्ण सुविधायुक्त होगा। परंतु इसका कार्य कछुआ चाल से चल रहा है। रेल की रिक्त पड़ी लगभग 61 बीघा (एक लाख छ हजार यार्ड) जमीन का उपयोग ईएमयू ओर वन्दे भारत की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करवाकर किया जाना चाहिए। फुलेरा की रामलीला पूर्ण भारत वर्ष में लोकप्रिय है, जो कि 100 वर्षों से अधिक समय से प्रतिवर्ष संचालित होती है। इस मैदान को रेल रिकॉर्ड में रेलवे रामलीला संस्कृतिक मैदान घोषित कर इसकी बाउंड्रीवाल व स्टेज का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया जाएं। वहीं ज्ञापन में बताया कि ट्रेन संख्या 20843/ 44456, 20914/ 20913 और 22175/ 22176 का वाणिज्यिक ठहराव जो कोरोना काल में बंद कर दिया गया था, उक्त ट्रेनों का पुनः ठहराव घोषित किया जाए, जिससे हमारे दैनिक व रेलयात्रियों के लिए सुखद साबित होगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

उदयपुर, (निसं)। घर से स्कूल जाते समय अज्ञात वाहन ने राह चलते वृद्ध को चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सविना थाना क्षैत्र में अज्ञात वाहन ने राह चलते धोल की पाटी सविना निवासी सोमा (65) पुत्र गोतम मीणा को चपेट में ले लिया। सोमा धानमण्डी स्थित निजी स्कूल में चपरासी के पद पर काम करता था एवं शुक्रवार सवेरे पैदल पैदल वह रोड़ पर आ रहा था, जहां बीच रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल होने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया।

आक्रोशित भीड़ ने टीचर को पीटा : भीलवाड़ा जिले के बागौर थाना क्षेत्र में एक टीचर को धर्म विरोधी पाठ पढ़ाना भारी पढ़ गया। आक्रोशित भीड़ ने टीचर की धुनाई कर दी और तो और हिंदुवादी नेता विरोध में उतर आये हैं। इधर, शिकायत पर पुलिस टीचर को लेकर थाने चली गई। ताजा मामला मांडल के लेस्वा ग्राम पंचायत का है। धर्म विरोधी पाठ पढ़ने वाले शिक्षक रणवीर पर आरोप लगे हैं। भगवान का चित्र नहीं बनाने और सिर में चोटी नहीं रखने जैसी बातें सामने आने पर ग्रामीण विरोध में उतर आए। बाद में आक्रोशित भीड़ ने टीचर की धुनाई कर दी।

सार-समाचार

ब्लड डोनेशन का प्रस्तावना बैनर जारी

पाली, (नि.सं.)। रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के प्रस्तावना बैनर का विमोचन तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष पीयूष चोपड़ा, मंत्री राजेश मरलेचा और लाभार्थी परिवार समदड़िया मातुश्री चेरिटेबल ट्रस्ट, सूर्य ज्योति एंटरप्रेंस प्रा. लि, के.बी. सिंकोटेक्स प्रा. लि. से अमरचंद गौतमचंद अनिल कुमार समदड़ीया परिवार द्वारा किया गया। 17 सितंबर को होने वाले इस महा अभियान में भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय भी इस आयाम में अपना समर्थन दे रहे है यह मेगा ब्लड डोनेशन कैंप विश्व का सबसे बड़ा डोनेशन कैंपेन है। पाली तेरापंथ युवक परिषद भी पिछली बार 17 सितंबर 2022 में 874 ब्लड यूनिट का डोनेशन करवा चुकी है जो पाली में हुए सभी ब्लड कैंप से कही अधिक का अटूट रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। आज पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने बैनर का अनावरण किया तथा तेरापंथ युवक परिषद को कार्यक्रम की शुभकामनाएं दी। शानदार तरीके से कार्य करने की अग्रिम बधाई दी। कार्यक्रम में सहयोग देने की भी बात कही। वरिष्ठ सदस्य भंवर लाल नाहटा, सोहन राज बालड, अमर चंद समदड़िया, गोतम चन्द समदड़िया, निलेश मेहता, प्रदीप चोपड़ा, रणजीत छाजेड़, नितेश समदड़िया, मुदित समदड़िया आदि कार्यक्रम में शामिल थे।

चलती कार पर लगी सीमेंट की ईंट

जोधपुर, (का.सं.)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के पास में चलती कार पर आकर सीमेंट की ईंट लगने से एक युवती बुरी तरह घायल हो गई। कांच का टुकड़ा लगने से वह जख्मी हो गई। कार में युवती के अलावा चालक ही था। उसके पिता की तरफ से अज्ञात शख्स के खिलाफ ईंट फेंक ने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी गई है। युवती के बयान फिलहाल नहीं हो पाए है। पुलिस मौका तस्दीक कर कार्रवाई में जुटी है। एयरपोर्ट थानाधिकारी रामकृष्ण ताडा ने बताया कि पृथ्वीराज नगर झालामंड निवासी रघुनाथ पुत्र बूटाराम गर्ग ने रिपोर्ट दी है। इनके अनुसार उनकी पुत्री तान्या गर्ग कार चालक के साथ में नायरा पेट्रोल पंप रोड से निकल रही थी। तब चालक सीट के पास वाली जगह पर अचानक से एक सीमेंट की ईंट आकर कार के कांच से टकराई और कांच फू ट गया। जिससे कांच लगने पर तान्या घायल हो गई। सिर में चोट लगने पर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बयान नहीं हो पाए। थानाधिकारी ताडा ने बताया कि ईंट के से आकर लगी फिलहाल जांच की जा रही है। उसके बयान से भी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। कार में चालक और तान्या ही सवार थे।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल के डीजल शेड, भगत की कोठी में शुक्रवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस.आर. बुनकर के मार्गदर्शन में कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिकों ने आत्महत्या रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। डॉ. आयुष सिंह गेहलोत (डीएमओ) ने मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं एवं कलंक पर प्रकाश डालते हुए पेशेवर सहायता लेने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. सुरेन्द्र प्रजापत (एमडी, मनोचिकित्सा) ने आत्महत्या रोकथाम के लिए व्यावहारिक उपाय सुझाए और कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क अच्छी नींद एवं नशामुक्त जीवनशैली से ही विकसित होता है। इसी प्रकार डॉ. कामिनी (मनोवैज्ञानिक) ने तनाव प्रबंधन पर उपयोगी जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा आत्महत्या रोकथाम हेतु संकल्प के साथ किया गया। संकल्प के शब्द थे: बोलो, मदद लो, आशा फैलाओ - मिलकर हम आत्महत्या रोक सकते है। इस अवसर पर रेल कर्मियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम हुआ

पाली, (नि.सं.)। महिला अधिकारिता विभाग पाली द्वारा संकल्प एचईडब्ल्यू दस दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत उच्च शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विषयों पर महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उपनिदेषक महिला अधिकारिता पाली में आयोजित एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर के साथ सम्पन्न हुआ डीएचईडब्ल्यू से जेंडर विशेषज्ञ राजश्री ने अब तक सम्पन्न गतिविधियों एवं आगामी गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं व युवतियों से जुड़ने का आ ह्न किया। राजश्री ने साथिनों को उच्च शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के महत्व से अवगत कराया तथा स्वरोजगार एवं निजी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना का लाभ लेकर महिलाएं स्वयं उद्यमी बन सकती है इन माध्यमों से वे आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इस कार्यक्रम में सुपरवाईजर पिंकी मीणा, इंदुबाला, प्रियंका व्यास सहित 30 साथिन उपस्थित रही।

राजूराम प्रजापत को कर्म श्री पुरस्कार

जैसलमेर, (नि.सं.)। सर्वोदयी नेता सामाजिक कार्यकर्ता राजूराम प्रजापत को जल बचाओं आन्दोलन के लिये 50 वर्षों से कार्यरत तरूण भारत संघ द्वारा संस्था के 50 वर्ष पूर्ण होने पर "कर्म श्री" पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार मेंग्ससे पुरूस्कार प्राप्त जल पुरूष राजेन्द्र सिंह ने संत विनोबा भावे की 130 जयन्ति के अवसर पर आयोजित एक सभा में प्रदान किया। राजूराम प्रजापत को खादी ग्रामोद्योग, ग्रामदान, नशाबंदी एवं सर्वोदय विचारों के प्रचार प्रसार हेतु जैसलमेर जिले के सैकड़ों गांवों में पदयात्राएं, वाहन यात्राए, सम्मेलन तथा गोष्ठीयों का आयोजन कर महात्मा गांधी के विचारों को समाज में व्यापक रूप में प्रसारित करने के लिए "कर्म श्री" पुरूस्कार से सम्मानित किया। प्रजापत राजस्थान प्रदेश सर्वोदय मंडल के उपाध्यक्ष व सर्वोदय मंडल, खादी परिषद, बालविकास मंडल व कई सामाजिक संगठनों में सक्रिय है। इस अवसर पर जल पुरूष राजेन्द्र सिंह गांधीवादी विचारक रमेश शर्मा व राजूराम प्रजापत ने संत विनोबा जी के भूदान-ग्रामदान आन्दोलन के अनुभव ग्रामीणों से साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। ग्राम सेरावा के सांवरास तालाब पर इस कार्यक्रम में 40 गांवों के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व आभार व्यक्त चतरसिंह जाम ने किया।

ठेकेदार से कहासुनी के बाद लगाई आग

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ स्थित रूपनगर डिगाड़ी में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में ठेकेदार ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जिससे खिड़कियां आदि जल गए। साथ ही पड़ोसी की कार के शीशे भी फोड़ दिए। पीड़ित और ठेकेदार के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोपी घटना के बाद से फरार है। एसएसआई बीजाराम ने बताया कि रूपनगर डिगाड़ी के रहने वाले पन्नाराम पुत्र बाबूराम के घर में यह आग लगाई गई। उसके क्षेत्र में कमठे का कार्य चल रहा था। जहां पर ठेकेदार सौभाग सिंह कार्य कर रहा था। तब इनके बीच में किसी बात को लेकर बोलचाल हो गई। ठेकेदार सौभाग सिंह रात को उसके घर पहुंचा और खिड़कियों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पन्नाराम के पड़ौसी के कार के शीशे फोड़ दिए। एसआई बीजाराम के अनुसार आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

ई-मित्र सेंटरों का निरीक्षण

भीनमाल, (निसं)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक कपिल लूणा के निर्देशन में शु वार को शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित ई-मित्र केंद्रों पर ब्लॉक प्रोग्रामर नरेश नोगिया द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य आमजन को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एवं निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली की शिकायतों की जांच करना था। निरीक्षण के दौरान कई ई-मित्र केंद्रों पर अनियमितताएं पाई गई जिनमें अशोक कुमार ईडुम्बिज कियोस्क धारक मोदरान द्वारा निर्धारित लोकेशन पर कार्य नहीं करने, छगनलाल बागरी धाणसा को निर्धारित दर से ज्यादा रुपए लेने पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए शास्ति आरोपित की गई। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत क्षेत्र नरता एवं भीनमाल के शहरी क्षेत्र में भी औचक निरीक्षण कर ईमित्र कियोस्कों को विभागीय नियमानुसार कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

खेजड़ली मेले में कंठी चोरी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती लूणी तहसील क्षेत्र में खेजड़ली गांव में 2 सितंबर को भरे गए मेले में एक महिला के गले से कंठी चोरी हो गई। अपने स्तर पर तलाश के बाद कंठी चोर का पता नहीं लगने पर अब लूणी थाने में केस दर्ज करवाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लूणी पुलिस ने बताया कि गुढ़ाविश्नोईयान निवासी बाबूलाल पुत्र भागीरथ विश्नोई ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 2 सितंबर को उसकी माताजी खेजड़ली मेले में आई थी। तब भीड़ के बीच किसी शख्स ने गले से कंठी चुरा ली।

मंत्रियों ने अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त पुलिया का निरीक्षण किया

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। सुमेपुर में अतिवृष्टि के कारण गत करीब छह दिन से क्षतिग्रस्त पुलिया का शुक्रवार को स्थानीय विधायक व केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मौके पर पहुंचकर उसका निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों को बुलाकर सुरक्षा जांच के बाद दोपहिया व तिपहिया वाहनों का आवागमन तुरंत शुरू कराया।

उन्होंने बताया कि पुलिया से भारी वाहनों की आवाजाही अभी कुछ दिन बाद शुरू हो पाएगी।

इस दौरान राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर के सांसद लुंबाराम चौधरी, सिरोही भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, पूर्व विधायक तारा भंडारी, मंडल अध्यक्ष ताराराम कुमावत, मंडल अध्यक्ष पोसालिया प्रताप परमार, महामंत्री बड़गांव हिम्मत दाना, सुमेरपुर के मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल, शिवगंज मंडल अध्यक्ष कुंदनमल राठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र माली, रमेश बोहरा, सुमेरपुर नगरपालिका के उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा, पाली भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह परमार, सुमेरपुर एसडीएम कालूराम कुम्हार, शिवगंज एसडीएम नीरज मिश्रा, नगरपालिका के पूर्व चैयरमैन राजेंद्र सोलंकी सहित पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद रहे।

बता दें सुमेरपुर-शिवगंज को जोड़ने वाली पुलिया जवाई बांध पर 6 सितंबर को गेट खोलने के बाद पानी के बहाव से पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिया से आवागमन बंद कर दिया था। इसके चलते आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों को मजबूरन हाईवे होकर लंबा और जोखिम भरा सफर तय करना पड़ रहा था।

सुमेपुर में अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हुई पुलिया का केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने निरीक्षण किया। इस दौरान राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर के सांसद लुंबाराम चौधरी, सिरोही भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, पूर्व विधायक तारा भंडारी आदि साथ थे। फोटो-राष्ट्रदूत

केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि शिवगंज-सुमेरपुर को जोड़ने वाले इस पुल का पुनः निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष-2024-25 के बजट में पुल निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपए की घोषणा की थी। इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने संशोधित प्रस्ताव बनाया जिसके बाद 25.66 करोड़ रुपए की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी हो चुकी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) बारिश का सीजन खत्म होने के बाद पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर शुरू कराया जाएगा।

अंतरिम भरण पोषण की मांग वाली याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)।जोधपुर की फैमिली कोर्ट ने एक महिला की दो नाबालिग बच्चों के अंतरिम भरण पोषण की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। पारिवारिक न्यायालय संख्या-1 के जस्टिस सतीशचन्द्र गोदारा ने यह फैसला इस आधार पर सुनाया कि पहले से ही घरेलू हिंसा के मामले में याचिकाकर्ता को सात हजार रुपए हर महीने भरणपोषण भत्ता मिल रहा है।

मामला जोधपुर के मसूरिया निवासी संगीता प्रजापत की याचिका का है। उसने अपने पति जगदीश प्रजापत से भरण पोषण दिलाने की मांग करते हुए कोर्ट में गत 27 जुलाई 2023 को प्रार्थना पत्र दायर किया था।

संगीता का दावा था कि जगदीश से उसकी शादी 19 अक्टूबर 2013 को हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। दो बेटे हैं।

संगीता ने अदालत में बताया-उसके पति जगदीश भवन निर्माण का ठेका लेते हैं। चार से छह महीने घर से बाहर रहते हैं। आरोप लगाया कि जगदीश कई दूसरी महिलाओं से अवैध संबंध रखते हैं।

संगीता के अनुसार, 22 मई 2023 को जगदीश ने उन्हें मारपीट कर दोनों बच्चों सहित घर से निकाल दिया। इसके बाद से वह अपने पीहर में रह रही है। संगीता ने दावा किया कि जगदीश की मासिक आय 30-35 हजार रुपए है। इसलिए, उसे व दोनों बच्चों के लिए 18 हजार रुपए प्रति माह भरण पोषण दिलाया जाए। साथ ही यह भी बताया कि वो पहले एक कंपनी में काम करती थीं, लेकिन 1 जनवरी 2024 से बेरोजगार है।

एडवोकेट हेमंत बावेजा ने बताया-कोर्ट में जगदीश प्रजापत ने अपने जवाब में खुद की संगीता से शादी और बच्चों के जन्म को स्वीकार किया, लेकिन अन्य आरोपों से इनकार किया। उसका कहना था कि वह एक मजदूर है। पिछले 9 महीने से झालामंड स्थित एक कंपनी में काम कर रहा है। उसे दैनिक मजदूरी 500 रुपए है और महीने में औसतन 20-25 दिन ही काम मिलता है। इससे उनकी मासिक आय सिर्फ 10 हजार रुपए है।

जगदीश ने यह भी तर्क दिया कि संगीता खुद एक मॉल में नौकरी करके 15 हजार रुपए महीना कमा रही है। साथ ही जगदीश ने किसी अन्य महिला से संबंध नहीं होने की बात कहते हुए बताया कि उसने संगीता को घर से नहीं निकाला है।

मामले में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह निकला कि अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या-4 जोधपुर की कोर्ट में घरेलू हिंसा मामले में 9 जुलाई 2024 को पहले से ही भरण पोषण का आदेश पारित हो चुका है। इस आदेश में संगीता को 3000 रुपए और दोनों बच्चों को 2-2 हजार रुपए यानी कुल 7000 रुपए प्रतिमाह का भत्ता निर्धारित किया गया था।

न्यायाधीश सतीश चन्द्र गोदारा ने राजस्थान उच्च न्यायालय के ज्योति उर्फ रश्मि बनाम राजस्थान राज्य का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि यदि किसी सक्षम न्यायालय द्वारा भरण पोषण का आदेश पहले से पारित है तो अन्य कोर्ट को अतिरिक्त भरण पोषण आदेश पारित करने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने माना कि संगीता और उनके दोनों नाबालिग पुत्रों को पहले से ही सक्षम न्यायालय द्वारा 7 हजार रुपए मासिक भरण पोषण आदेशित है। इसलिए वे इस मामले में किसी अतिरिक्त भरण पोषण की अधिकारी नहीं है।

इसके साथ ही कोर्ट ने संगीता की अंतरिम भरण पोषण याचिका को अस्वीकार कर खारिज कर दिया।

विद्युत समस्याओं से लोग परेशान

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में एफआरटी की कार्यशैली उपभोक्ताओं पर भारी पड रही है। पूरे शहर की जिम्मेदारी एक गाडी के भरोसे होने से लोगों की समस्याओं का समाधान समय पर नहीं हो पा रही है।

जालोर शहर में दो गाड़ियों लगी हुई है जबकि शहर में अधिकतर एक गाडी से कार्य किया जा रहा है जिससे समय पर लोगों की समस्या हल नही हो रही है। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। जालोर शहर के लाल पोल, बडी पोल, वाडिया, राजेन्द्र नगर के लोगों ने बताया कि विद्युत नहीं आने की सूचना एफआरटी को देने पर समय पर नही आते है कई बार तो फोन भी रिसीव नहीं करते है जिससे इस गर्मी में अंधेरे में रात गुजारनी पड रही है।

जालोर शहर के एईएन कार्यालय के पास हेल्प डेस्क खोल कर रखी है जबकि 10 बजे से 05 बजे बंद हो जाता है जिससे उपभोक्ताओं को परेशान होना पड रहा है जबकि हेल्प डेस्क 24 घंटे खुली रहनी चाहिए।

लोगों ने बताया कि कई बार टोल फ्री नम्बर पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवाते है लेकिन एफआरटी की टीम कि ओर से कोई जवाब नही मिलता है। ज्यादा कॉल करने पर पैसे की डिमांड करते है। बारिश के समय में लोगो ने बताया कि तीस सौ से पांच सौ रुपये देकर कार्य करवाया है।

एफआरटी टीम के सुपरवाईजर ईश्वरसिंह ने बताया कि शहर में दो गाडिया लगी हुई है तीस कार्मिक कार्यरत है लोगो की शिकायत आई है जिसका निवारण शीघ्र कर रहे है। रही बात पैसे की तो कोई प्राईवेट व्यक्ति लोगो से पैसे वसूल कर रहा है।

'अवैध नल कनेक्शन विच्छेद करें'

जालोर, (नि.सं.)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की 39वीं बैठक जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ।

कलेक्टर ने ओटीएमपी एवं नर्मदा पेयजल परियोजना के प्रोजेक्ट का रिव्यू कर नर्मदा परियोजना के अधीक्षण अभियंता लिच्छूराम चौधरी को लक्ष्यानुसार मासिक नल कनेक्शन जोड़ने तथा पीएचईडी परियोजना के अधिशासी अभियंताओं व सहायक अभियंताओं को एक माह के विशेष अभियान में अवैध नल कनेक्शन विच्छेद करने के निर्देश दिए। चौधरी को एफआर व ईआर प्रोजेक्ट के पाईपलाईन संबंधित बकाया कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए, संवेदकों से टीमें बढाने पर जोर दिया। ईआर प्रोजेक्ट के संवेदक की प्रगति समीक्षा करते हुए रामसीन में बन रहे पम्पहाउस निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा कर दो माह में संबंधित गांवों में 15 हजार नल कनेक्शन जोडने के निर्देश दिए। विद्यालयों एवं आंगनवाडी केन्द्रों एवं रानीवाडा ब्लॉक में ईआर प्रोजेक्ट में पेडिंग नल कनेक्शन जोड़ने के लिए पीएचईडी परियोजना विभाग को निर्देशित किया तथा ग्राम पंचायतों में नवीन एफटीके किटों के वितरण के लिए आईएसए एजेन्सी के सहयोग से वितरित करने की बात कही। डीडब्ल्यूएसएम के सदस्य सचिव व पीएचईडी जालोर के अधीक्षण अभियंता संजय शर्मा ने पूर्व बैठक की पालना रिपोर्ट व जल जीवन मिशन की प्रगति रिपोर्ट पीपीटी में माध्यम से बताया कि डीआर, ईआर, एफआर, सीलूजैसला भाटकी तथा ओटीएमपी योजनाओं के अंतर्गत जिलें के 793 गांवों के घरो में कुल 317283 नल कनेक्शन दिए जाने प्रस्तावित है।

चोरियां हुई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व एवं पश्चिम में चोरियां थमने का नाम नहीं ले रही। आए दिन किसी न किसी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात हो रही है, मगर पुलिस नकबजनों तक अपनी पहुंच नहीं बना पा रही है। कमिश्नरेट के करवड़, प्रतापनगर सदर एवं भगत की कोठी थाना क्षेत्रों चोरी की घटनाएं पिछले 24 घंटों में हुई है।

अमेजोन इंडिया व कूरियर कम्पनियों को सेवा में त्रुटि का दोषी माना

जालोर, (कासं)। जालोर के एक उपभोक्ता द्वारा ऑन लाईन आर्डर से मंगवाए गए मोबाइल के स्थान पर कूरियर पैकेट में एसेसरीज निकल गई। कंपनी ने सुनवाई नहीं की तो परेशान उपभोक्ता ने जिला उपभोक्ता आयोग की शरण ली। जिला उपभोक्ता आयोग जालोर के अध्यक्ष घनश्याम यादव ने ना केवल अमेजोन कंपनी एवं कूरियर सर्विस की कंपनियों को सेवा में त्रुटि का दोषी मानते हुए भारी जुर्माना लगाया, बल्कि उपभोक्ताओं के साथ व्यवसाय में अनुचित व्यवहार नहीं करने की हिदायत भी दे डाली।

परिवादी खेताराम पुत्र शान्तिलाल, जीनगर, निवासी जालोर, जिला जालोर ने परिवाद पेश कर बताया कि परिवादी ने 15 अक्टूबर 2018 को अपने मोबाईल से अमेजोन इंडिया की ऑनलाईन एप्प वेबसाईट पर रेड-मी कम्पनी का एक स्क्रीन टच मोबाईल, मॉडल ,एमआई, 2 ब्लेक, (4जीबी रेम, 64 जीबी रोम) का मंगवाने का आर्डर किया, जिसके लिए परिवादी ने अपने पिता के खाते के खाते के डेबिट कार्ड से अमेजोन इंडिया कंपनी को 13,499 रुपये अदा किए। कंपनी से मैसेज आया कि आपका 15 अक्टूबर का आर्डर बुक कर लिया है जो आपको 21 अक्टूबर तक मिल जाएगा। परिवादी ने 21 अक्टूबर को अमेजोन की ऑनलाईन वेबसाईट पर जाकर चैक किया, तो आर्डर किये माल की डिलेवरी होना बताया, जबकि मोबाइल मोबाइल मिला ही नहीं था। तब 23 अक्टूबर को परिवादी ने गति किण्टेस्पू एक्सप्रेस प्राइवेट लि. के भीनमाल स्थित ऑफिस जाकर पूछा तो बताया कि तुम्हारा मोबाईल आया हुआ पडा है, तो परिवादी ने अपना मोबाईल पैकेट लिया, तो वह पैकेट डेमेज था। जिस पर भीनमाल स्थित ऑफिस के कार्मिक ने बताया कि बहुत सारा माल एक साथ ट्रक में आता है, इसलिए डेमेज हो जाता है तब परिवादी ने उसके आफिस में ही उस केरियर पैकेट को खोला, तो उस पैकेट में ऑर्डर किए मोबाइल के स्थान पर एसेसरीज थी। इस पर अप्रार्थी संख्या एक ने कहा कि हम इसमें कुछ नहीं कर सकते, आपको शिकायत अमेजोन कंपनी में ही करनी होगी। हमारे पास तो यह माल दर्शित आशियाना प्राइवेट लि. एवं गति किण्टेस्पू हैदराबाद से आता है। हमे जो कैरियर भेजा है, वो केवल उपभोक्ता को डिलवरी करनी होती है। परिवादी ने अमेजोन इंडिया पर कम्पलेन दर्ज करवाई, लेकिन कोई निस्तारण नहीं हुआ। परिवादी ने साक्ष्य शपथ पत्र पेश किया तथा दस्तावेजों की प्रतिया पेश की। अप्रार्थीगण की ओर से जवाब प्रस्तुत किया। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष घनश्याम यादव एवं सदस्य निरंजन शर्मा ने पत्रावली पर आए तथ्यों एवं साक्ष्य के आधार पर गति किटेस्पु एक्सप्रेस प्राईवेट लि, जालोर, अमेजॉन इंडिया बैंगलोर, दर्शिता आशियाना प्राइवेट लि. कटाना साहिब एवं गति किटेस्पु एक्सप्रेस प्राईवेट लि. हैदराबाद को सेवा में त्रुटि का दोषी मानते हुए उनके विरुद्ध परिवाद स्वीकार किया तथा अमेजन व गति को पृथक पृथक एवं संयुक्त रुप से जिम्मेदार मानते हुए 45 दिन के भीतर-भीतर परिवादी खेताराम को मोबाइल के लिए जमा करवाई 13,499 रुपये अदा करने एवं परिवाद प्रस्तुत करने की तारीख से तावसूली तक 9 प्रतिशत ब्याज प्रतिवर्ष अदा करने का आदेश दिया। साथ ही अप्रार्थीगण को आदेश दिया कि परिवादी को मानसिक हर्जाने के 10,000 रुपये और परिवाद व्यय के 7,000 रुपये कुल 17 हजार रुपये भी 45 दिन में परिवादी खेताराम को देवें। साथ ही अप्रार्थीगण को हिदायत भी दी कि वे भविष्य में वादों का अनुचित व्यापार व्यवहार नहीं करे एवं उपभोक्ता कल्याण कोष में भी 30 हजार रुपये अलग से जमा कराने का आदेश दिया।

सार-समाचार

जालोर जिले में 9 बैंचें गठित

जालोर, (का.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हारून के निर्देशन में शनिवार को जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत होगी। इसमें न्यायिक न्यायालयों, उपभोक्ता प्रतितोष आयोग में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तालुकाओं के प्री लिटिगेशन के प्रकरण, राजस्व न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत के लिए जिले में 9 बैंचेज का गठन किया। लोक अदालत के दौरान पक्षकारों के आपसी राजीनामे से प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत को लेकर जिला मुख्यालय पर जिला न्यायाधीश हारून की अध्यक्षता, एसीजेएम संख्या 02 अंकित दवे, प्री लिटिगेशन के प्रकरणों के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद की अध्यक्षता में बैंचेज का गठन किया। आहोर में जेएम सुधीर चौहान की अध्यक्षता में, भीनमाल में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजेंद्र साहू, एसीजेएम महेंद्र टांक की अध्यक्षता में बैंचेज बनाई है। इसी प्रकार सांचौर में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामदेव सांदू व एसीजेएम भीमसिंह मीणा की अध्यक्षता और रानीवाड़ा में न्यायिक मजिस्ट्रेट मदनसिंह चौधरी की अध्यक्षता में बैंचेज बनाई है। जिन बैंचेज में राजस्व न्यायालयों के प्रकरण शामिल है उनमें उपखंड अधिकारी जालोर मनोज, आहोर उपखंड अधिकारी सांवरमल रेगर, भीनमाल उपखंड अधिकारी मोहित कसानिया, सांचौर उपखंड अधिकारी प्रमोद कुमार व रानीवाड़ा में उपखंड अधिकारी सुनिल कुमार को सदस्य नियुक्त किया है।

गुरू वंदन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम हुआ

भीनमाल, (निसं)। भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा ने शुक्रवार को चाणक्य विद्या पीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय रबारियों की ढाणी में गरिमामय एवं प्रेरणादायी गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया। परिषद के पदाधिकारी, सदस्य एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे। शुभारंभ सरस्वती माँ, भारत माता और स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित एवं वन्देमातरम के साथ हुआ। इसके पश्चात शाखा सचिव परसराम कंसारा ने उपस्थित पदाधिकारियों का परिचय करवाया भारत विकास परिषद प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी डॉ. प्रेमराज परमार ने परिषद की विभिन्न गतिविधियों एवं प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। प्रमुख वक्ता कन्हैयालाल खण्डेलवाल ने आज के समय में गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन प्राचीन काल से चली आ रही गुरु-शिष्य परम्परा को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों में संस्कारों का संचार करने का माध्यम है। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले 14 विद्यार्थियों को पारितोषिक एवं 23 अध्यापकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शाखा अध्यक्ष अमृतलाल प्रजापत ने भी विद्यालय परिवार, आचार्यों , विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन शाखा सचिव परसराम द्वारा किया गया। इस अवसर पर महेंद्र कुमार शर्मा, नरपत सिंह राव, विद्यालय संचालक सांवल सिंह लोल, प्राचार्य गोपीलाल गौड सहित बडी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक मौजूद रहे।

शैक्षिक गतिविधियों का अवलोकन

जालोर, (कासं)। ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जबर सिंह देवडा ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धवला एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुजान नाडी लेटा का आकस्मिक अवलोकन किया। देवडा ने अवलोकन के दौरान विद्यालयों की शैक्षिक गतिविधियों का अवलोकन कर शैक्षिक स्टाफ को आवश्यक संबलन प्रदान किया गया। उन्होंने प्रखर 2.0 पठन कौशल अवधारणा का क्रियान्वयन ,विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की निगरानी, मूल्यांकन व्यवस्था एवं शैक्षिक स्तर जांच, मध्याह्न भोजन, पेयजल सुविधा, विद्यालय भवन स्थिति, पौधारोपण एवं हरित वातावरण के प्रयास, शाला दर्पण पर नियमित प्रविष्टियां, राजकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक संबलन प्रदान किया गया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय स्टॉफ को सरकारी योजनाओं ओर नवाचारों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को संकल्पबद्ध होकर कार्य करना होगा।

गुड़ामालानी में अवैध शराब नष्ट करवाई

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी पुलिस थाना परिसर में आबकारी विभाग एवं पुलिस के द्वारा कार्यवाही के दौरान पकडी गई अवैध शराब को नष्ट करने को लेकर बडी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब को नष्ट किया गया। अवैध शराब नष्ट करने के दौरान अतिरिक्त आयुक्त आबकारी विभाग अधिकारी सीमा काविया, जिला आबकारी अधिकारी दिनेश गहलोत, सहायक आबकारी अधिकारी हिमांशु चारण, रविन्द्र प्रताप सिंह, निरीक्षक आबकारी अधिकारी राणू सिंह,ओमाराम,पुलिस उपाधीक्षक सुखाराम विश्नोई, थाना प्रभारी देवीचंद ढाका सहित पुलिस जाब्ता मौके पर उपस्थित रहा। सीआई देवीचंद ढाका ने बताया कि गुड़ामालानी थाने में जब्त की गई अवैध शराब की अलग-अलग किस्में शामिल थी। जो बिना वैध अनुमति के तैयार की जा रही थीं या बेची जा रही थीं। जिसको आबकारी विभाग एवं पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्यवाही के दौरान जब्त की थी। शराब के कार्टूनो को खुले मैदान में एकत्र किया गया और उसके बाद बुलडोजर की मदद से कुचलकर नष्ट कर दिया गया। वहीं अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के साथ कार्यवाही को अंजाम दिया। 15 हजार कार्टनों में बंद शराब की बोतलों को नष्ट किया गया।

क्रिकेट प्रतियोगिता के समारोह में हादसा

पोकरण, (निसं)। आशापुरा रोड स्थित मैदान में आयोजित स्थानीय क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार को बडा हादसा हो गया। कार्यक्रम में मौजूद वरिष्ठ पत्रकार मनोहर जोशी उद्घाटन शॉट के दौरान उछली गेंद लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार अतिथियों द्वारा पहली गेंद पर शॉट मारे जाने के दौरान तेज गति से आई गेंद जोशी की आंख पर जा लगी, जिससे वे मौके पर ही घायल हो गए। उन्हें तत्काल पोकरण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए जोधपुर रेफर किया गया। जोधपुर में उपचार के बाद जोशी पुनः पोकरण लौट आए। हादसे से कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आयोजकों ने बताया कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, फिलहाल जोशी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

विद्यार्थियों ने उत्साह दिखाया

जोधपुर, (का.सं.)। भारतीय राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति विरासत न्यास 'इंटेक' द्वारा आयोजित "इंटेक नेशनल हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता 2025" के पहले चरण में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 07 विद्यालयों के 97 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दिल्ली पब्लिक स्कूल के धैर्य माहेश्वरी व मुकुट भाटी प्रथम स्थान प्राप्त कर जोधपुर चैप्टर के विजेता बने। दिल्ली पब्लिक स्कूल के हितेन चौधरी व जतिन बंसल द्वितीय व लक्ष्य अग्रवाल व सोहम बोहरा तृतीय रहे।

रोड का कार्य शुरु करने की मांग

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के आई टी आई से धरडा पावटी सडक का कार्य कई वर्षो से बंद होने से जगह जगह खडडे पडे हुए है।उक्त मार्ग का कार्य पुन शुरु करने की मांग को लेकर पीडब्ल्युडी के एईएन को किसानो ने ज्ञापन सौपा। इस सम्बंध में मौखिक रूप से दो बार अवगत करा दिया। लेकिन मौके पर कार्य नहीं हुआ। ज्ञापन में जल्द से जल्द गडडे भरने व उसके बाद नवीनीकरण सडक का कार्य भी चालू करने की मांग की गई। ज्ञापन देने जोगाराम माली,जबराराम माली सहित कई लोग मौजूद थे।

कार्यालय नगरपालिका, सांचौर जिला-जालौर (राज.)

(टेलिफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)

क्रमांक/न.पा.सां./ई-निविदा/2025/3764 दिनांक :- 10.09.2025

-::ई निविदा सूचना 2025-26

नगर पालिका सांचौर निविदा क्रमांक 436 दिनांक 21.07.2025 द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण जरीये यूबीएन नं. से वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा में कुल कार्य	1 कार्य
निविदा प्रपत्र जमा करवाने की तिथि	दिनांक 15.09.2025 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 15.09.2025 शाय 4.00 बजे से

UBN NO.
DLB2526WSRC17293

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सांचौर

राज.संवाद/सी/25/9866

भारत ने पिछले मुकाबले में जैसा प्रदर्शन किया था वह सराहनीय था। उसे देखकर मुझे यकीन है कि भारतीय टीम इस बार भी हमें गौरव प्रदान करेगी। - कपिल देव

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **नीरज चोपड़ा**

13-21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित जापान नेशनल स्टेडियम में भारत की सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक प्रतिभा देखने को मिलेगी। पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के गत विजेता नीरज चोपड़ा एक प्रेरित भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्नू रानी जैसे अनुभवी और नए स्प्रिंट सनसनी अनिमेष कुजूर शामिल होंगे, स्प्रिंट, जंप, थ्रो और दूरी की स्पर्धाओं में उम्मीदों के साथ, यह चैंपियनशिप भारतीय एथलेटिक्स के लिए निर्णायक क्षण और नया मील का पत्थर साबित होगी।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट में एशिया कप का आयोजन साल 1984 से हो रहा है और साल 2025 में 17वां एशिया कप चल रहा है।

कुलदीप यादव को मिलेगा मौका? अभिषेक-गिल ओपनर, पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, 12 सितंबर। एशिया कप 2025 का महामुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम अपना पहला ग्रुप मैच जीत चुकी है। भारत ने यूएई को पहले ही मैच में 9 विकेट से हरा दिया था। वहीं एशिया कप से ठीक पहले पाकिस्तान ने यूएई में ही ट्राई सीरीज में हिस्सा लिया था और फाइनल में अफगानिस्तान को हराकर चैंपियन भी बनी थी। इस जीत के बाद पाकिस्तान की टीम का हौसला काफी बढ़ा हुआ होगा और वो भारत के खिलाफ पूरी एनर्जी के साथ मैदान पर उतरेगा।

पाकिस्तान की टीम में कुछ अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं जो विश्वस्तरीय हैं और अगर वो चल निकले तो भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों में फखर जमान, सईम अयूब, सलमान आगा, शाहीन

अफरीदी शामिल हैं। भारत को इन खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा साथ ही साथ टीम इंडिया की जीत का मंत्र एक बेहतरीन प्लेइंग इलेवन भी होगा। कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान के खिलाफ भी भारतीय टीम उसी प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है जो उसने यूएई के खिलाफ उतारी थी। क्योंकि इस टीम में बल्लेबाजी 8वें नंबर तक थी साथ ही गेंदबाजी विकल्प की भी कमी नहीं थी। अगर भारत इस टीम के साथ छेड़छाड़ करता है तो टीम को 7 बल्लेबाजों के साथ उतरना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को दुबई में ही मैच खेलना है जहां यूएई के खिलाफ खेला था। ऐसे में कंडीशन और पिच को देखते हुए भारत शायद ही कोई बदलाव अपनी प्लेइंग इलेवन में करेगा। अगर अर्शदीप को टीम में लाया जाता है तो किसी एक खिलाड़ी को बाहर होना होगा। कुलदीप को लेकर संजय मांजरेकर ने कहा था कि उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ बाहर किया जा सकता है लेकिन जिस तरह से उन्होंने यूएई के खिलाफ गेंदबाजी की इसकी संभावना कम लगती है।

पाक के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव/अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

उमर गुल ने पीसीबी को घेरा, बुमराह को लेकर बीसीसीआई की तारीफ की

नई दिल्ली, 12 सितंबर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल ने भारतीय क्रिकेट टीम के थिंक टैंक की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसी प्रतिभा को संभालने के तरीके की बीसीसीआई की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने इस बारे में भी बात की कि, पाकिस्तान क्रिकेट संस्कृति ऐसी रोटेशन नीति क्यों नहीं अपनाती, जैसा भारत करता है। रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप मुकाबले से पहले गुल से भारत की रोटेशन नीति और बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम करने के लिए कैसे संभाला गया, इस बारे में पूछा गया। गुल से खासतौर पर कार्यभार प्रबंधन के बारे में पूछा गया और ये भी कि, कैसे कभी-कभी जब खिलाड़ी खासकर गेंदबाज चोटिल हो जाते हैं तो उनकी पेस कुछ किलोमीटर कम रह जाती है लेकिन बुमराह फिर भी पहले जैसी गति बनाए

रखने में कामयाब रहे। इस पर गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट क व्यवस्था ऐसी है कि इससे स्थापित खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, जिसके कारण उन्हें पूरी तरह से फिट न होने पर भी मैच खेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उमर गुल ने पीटीवी के एक टॉक शो गेम ऑन है में कहा कि, दुर्भाग्य से हमारी व्यवस्था में हमारी संस्कृति में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी हिचकिचाता था। अगर वह 70-80 प्रतिशत भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो रोटेशन नीति हमारी संस्कृति में नहीं है। उमर गुल ने आगे कहा कि, हम केवल प्रदर्शन देखते हैं। नए खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया है इसलिए उसे टीम में लाएं और उसे खेलने दें। इसलिए मुझे लगता है कि ये विश्वास विकसित होना चाहिए और रोटेशन नीति होनी चाहिए। आपकी प्राथमिकता सीनियर खिलाड़ी होना चाहिए, जब वह फिट हो जाए तो आपको उसे खिलाना चाहिए। उमर गुल ने भारतीय प्रणाली की तारीफ भी की। भारतीय प्रणाली अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों को मुश्किल चोटों से निपटने के लिए सुव्यवस्थित है। उमर गुल ने कहा कि, खिलाड़ियों की भी जिम्मेदारी होती है प्रबंधन की भी यहां तक कि आपके ट्रेनर और आपके मेडिकल स्टाफ की भी। दोनों पक्षों की जिम्मेदारी होती है।

एशिया कप में भारत-पाक में से किसका पलड़ा भारी? दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 12 सितंबर। एशिया कप 2025 के सबसे बड़े मुकाबले में से एक भारत-पाकिस्तान की टक्कर 14 सितंबर, रविवार को दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में होगी। इस मैच का इंतजार दुनियाभर के लाखों लोगों को है। वहीं इस मुकाबले में किसका पलड़ा भारी है।

भारत और पाकिस्तान हेड टू हेड रिकॉर्ड : भारत और पाकिस्तान के बीच अबतक कुल 13टी20 मैच हुए हैं, जिसमें से 9 मुकाबले भारत जीता और 3 में पाकिस्तान को जीत मिली। पाकिस्तान ने भारत के खिलाप आखिरी टी20 मुकाबला एशिया कप में ही जीता था। साल 2022 में हुए मैच में भारत को उसने 5 विकेट से हराया था। लेकिन उसके बाद हुए दो मुकाबलों में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को मात दी। एशिया कप के वनडे फॉर्मेट की बात करें तो दोनों टीमों के बीच कुल 15 मैच हुए, 5 पाकिस्तान जीता और 8 मुकाबले भारत ने जीते, 2 मैच बेनतीजा हे। आपको बता दें कि, वनडे फॉर्मेट में एशिया कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान को आखिरी जीत साल 2014 में मिली थी। वहीं वर्तमान की बात करें तो भारत की टीम पाकिस्तान पर काफी ज्यादा भारी है। भारत दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम है। दुनिया के टॉप 2 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा एशिया कप में खेल रहे हैं।

पाकिस्तान भारत की चुनौती के लिए तैयार है : माइक हेसन

दुबई, 12 सितम्बर। क्रिकेट में, भारत बनाम पाकिस्तान से बड़ा कोई मुकाबला नहीं है। कोई भी मुकाबला ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित नहीं करता, कोई भी ज्यादा चर्चा पैदा नहीं करता और कोई भी ज्यादा गहरी भावनाओं को नहीं जगाता। इसलिए ओमान के खिलाफ एशिया कप के अपने पहले मुकाबले की पूर्व संध्या पर, यह स्वाभाविक ही था कि प्रचलित चर्चा उनके आगामी मैच के बारे में नहीं, बल्कि उसके बाद होने वाले मैच के बारे में थी। वास्तव में, यह बात तब स्पष्ट हो गई जब पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने पाकिस्तान के पहले मैच से पूर्व मीडिया को संबोधित किया।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मौजूदा विश्व चैंपियन और नंबर 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम भारत, जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन हेसन ने आगे की चुनौती को स्वीकार किया और कहा कि उनकी टीम इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि भारत अपने प्रदर्शन को देखते हुए बेहद आत्मविश्वास से भरा हुआ है, और यह सही भी है।

हम एक टीम के रूप में दिन-ब-दिन बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और खुद से बहुत आगे नहीं बढ़ना चाहते, लेकिन हम अच्छी तरह जानते हैं... मैं काम की विशालता नहीं, बल्कि आगे आने वाले काम की चुनौती के बारे में कहूंगा, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्सुक हैं।''

हेसन अपनी टीम के गेंदबाजी क्रम को लेकर काफी उत्साहित थे और उन्होंने खास तौर पर मोहम्मद नवाज की भूमिका पर ज़ोर दिया, जिन्हें उन्होंने इस समय दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज करार दिया। पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तानी टीम में नजरअंदाज़ किए जाने के बाद, नवाज ने हाल ही में पाकिस्तान की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शानदार वापसी की है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अफग़ानिस्तान के ख़िलाफ हैट्रिक सहित पांच विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारी टीम की सबसे ख़ास बात यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं। हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज हैं, और पिछले छह महीनों से जब से उनकी टीम में वापसी हुई है, उनकी रैंकिंग इसी स्तर पर रही है।

और ज़ाहिर है कि अबरार अहमद और सूफ़ियान मुकीम ने भी उतना ही अच्छा प्रदर्शन किया है जितना उन्होंने किया है। सैम अयूब अब दुनिया के शीर्ष दस ऑलराउंडरों में शामिल हैं। तो ज़ाहिर है कि यह उनके गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन का नतीजा है। और सलमान अली आगा ने शायद ही कभी गेंदबाजी की है, और वह ज़ाहिर तौर पर पाकिस्तान के लिए टेस्ट स्पिनर हैं।''

हालांकि, हेसन अपनी बल्लेबाजी इकाई को लेकर उतने आश्वस्त नहीं थे, और उन्होंने स्वीकार किया कि यह बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, ''यह एक विकासशील बल्लेबाजी क्रम है। और कई खिलाड़ी ऐसे हैं।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में दो पदकों के साथ भारत का अभियान हुआ समाप्त

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 12 सितंबर। विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में शुक्रवार को भारत की गाथा खडके रिकर्व के प्री क्वार्टर फाइनल में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया की लिम सी-ह्योन से हार गई।

इसी के साथ टूर्नामेंट में भारत का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। 15 वर्षीय किशोरी गाथा खडके का रिकर्व के प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर वन और तीन बार की ओलंपिक चैंपियन घरेलू पसंदीदा लिम सी-ह्योन से 6-0 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप में यह तीसरी बार है जब भारत रिकर्व में पदक नहीं जीत पाया। रिकर्व में तीरंदाजी का आखिरी पदक 2019 में आया था जब तरुणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम डेन बॉश में फाइनल में पहुंची थी। विश्व चैंपियनशिप में छठी बार खेल रही चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी कल महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी के तीसरे दौर में इंडोनेशिया की दियानंदा चोइरुनिसा से 6-4 से हार गईं। वह क्वालीफाइंग दौर में छठे स्थान पर रही थीं।

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेमीफाइनल में

हांगकांग, 12 सितम्बर। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी तथा लक्ष्य सेन ली-निंग हांगकांग ओपन 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप के खिलाफ पहला गेम 21-14 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 20-22 से मामूली अंतर से हार गए। उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए 21-16 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई से होगा। इस बीच पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने हमवतन आयुष शेट्टी को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

राजस्थान में 9763 नये आवासों को केन्द्र सरकार की मंजूरी मिली

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत मिली है स्वीकृति

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबको पक्का मकान उपलब्ध कराने के विजन को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार ने 9 हजार 763 नये आवासों को केंद्र सरकार से स्वीकृति के लिए मंजूरी प्रदान की है। इससे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान को आज बडी उपलब्धि हासिल हुई है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलएसएमसी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इन आवासों के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को कुल 2.50 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, जिसमें 1.50 लाख रुपए केन्द्र सरकार और एक लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से प्रदान किया जायेगा। इस निर्णय से कुल 244.07 करोड़ रुपए की सब्सिडी पात्र परिवारों को उपलब्ध होगी।

इन आवासों की अंतिम स्वीकृति केन्द्र सरकार की 17 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली सीएसएमसी की बैठक में प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में किये जा रहे प्रयास न केवल शहरी गरीबों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगे बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करेंगे।

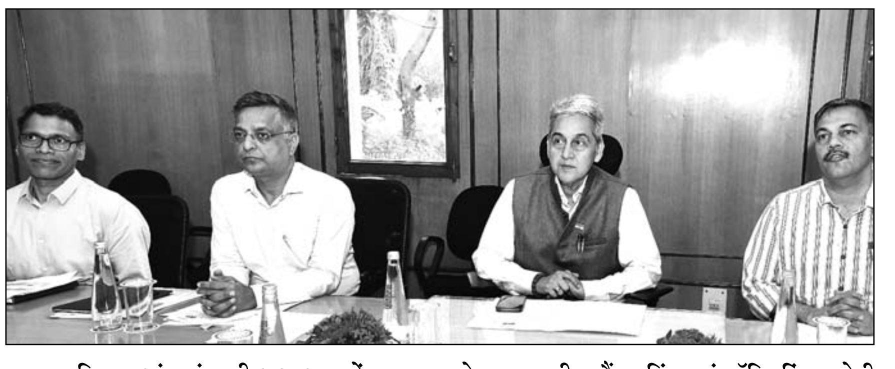

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई।

■ इन आवासों के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को कुल 2.50 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, जिसमें 1.50 लाख रुपए केन्द्र सरकार और 1 लाख रुपए राज्य सरकार देगी

बैठक में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा विभाग अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टि, शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग नवीन जैन, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्मी से रिटायर्ड जवान ने दुनाली बंदूक से की आत्महत्या

मृतक एक निजी कंपनी में गार्ड पर कार्यरत था, पुलिस और एफ.एस.एल. टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में आर्मी से रिटायर्ड जवान ने लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

जो एक निजी कंपनी में गार्ड पर कार्यरत था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल स्थाल साक्ष्य जुटाए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में किसी तरह का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि थाना इलाके के हटवाड़ा के लक्ष्मीनगर निवासी भुवनेश जाट (40) आत्महत्या की है,जो मूलतः हिंडौन के बड़खेड़ा के रहने वाले था। भुवनेश जाट आर्मी से रिटायर हुए थे और पत्नी और बेटे के साथ लक्ष्मीनगर में किराए के मकान में कुछ दिन पहले ही रहने आए थे। भुवनेश जाट सी-स्कीम स्थित गोल्ड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।

थानाधिकारी ने बताया कि भुवनेश जाट की पत्नी शुक्रवार सुबह किसी काम से बाहर गई थी और उसका बेटा कंप्यूटर क्लास में गया था। इस दौरान भुवनेश जाट घर पर अकेले था।

जिन्होंने कमरा अंदर से बंद कर लिया। खुद की लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बंद कमरे से अचानक धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

पड़ोसियों ने कमरे के अंदर जाकर देखने की कोशिश की। लेकिन कमरे के आगे-पीछे के दोनों गेट बंद मिले।

कुछ ही देर में उनकी पत्नी और बेटा भी घर आ गए। अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने धक्का देकर गेट खोला। जहां भुवनेश का शव जमीन पर पड़ा हुआ था और उसके पेट में गोली लगी हुई थी। उसकी लाइसेंसी बंदूक पास ही बेड पर पड़ी थी। पुलिस ने तुरंत एफएसएल टीम को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए।

पुलिस की प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि भुवनेश ने बिस्तर पर एक पैर रखकर अपनी लाइसेंसी बंदूक को पेट पर लगाया।

बंदूक का ट्रिगर दबाते ही गोली पेट में लगने से वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया है।

पुलिस के अनुसार किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10 हजार पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 13 और 14 सितम्बर को आयोजित की जाएगी। शुक्रवार देर शाम को जयपुर जंक्शन और सिंधी कैंप बस स्टैण्ड के आस-पास हजारों युवाओं की भीड़ उमड़ पडी, कुछ युवाओं ने रात में यहीं पर शरण ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गांव-गांव में पहुंचेगी सरकारी सेवाएं

राजस्थान में 17 सितंबर से शुरू होगा ''ग्रामीण सेवा शिविर'' अभियान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण जनता को राहत पहुंचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे गांवों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से प्रदेशभर में 'ग्रामीण सेवा शिविर' अभियान शुरू करने जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में चरणबद्ध रूप से शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमजन के कार्य मौके पर ही निस्तारित किए जाएंगे। यह विशेष अभियान सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। अभियान के पहले सप्ताह में बुधवार को भी शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक पंचायत समिति क्षेत्र की दो ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन शिविर होंगे और तब तक जारी रहेंगे जब तक उस क्षेत्र की सभी पंचायतों को शामिल नहीं कर लिया जाता।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अभियान को राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को जनता के और करीब लाने वाला कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीणों को अपने जरूरी कामों के लिए शहर नहीं जाना पडेगा और उन्हें सरकारी सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध होंगी। राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि शिविरों के आयोजन, निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी जिला कलक्टरों को सौंपी गई है। प्रत्येक शिविर के लिए प्रभारी और सहायक प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, और संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इन शिविरों में राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, कृषि, पशुपालन, बिजली, पंचायत राज आदि विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। प्रमुख कार्यों में नामांतरण, सीमांकन, रास्ते खोलने, जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र जारी करना, आधार कार्ड से जुडी सेवाएं, पशु स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों की मरम्मत हेतु स्वीकृति, किसान रजिस्ट्री से जुडे लंबित मामलों का निस्तारण, बीज मिनी किट वितरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, बिजली सुधार कार्य, जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षित के प्रकरणों की जांच और स्वीकृति शामिल हैं। इसके साथ ही 2 अक्टूबर से शुरू होने वाले सहकार सदस्यता अभियान को भी ग्रामीण सेवा शिविरों के साथ जोडा जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत सहकारी समितियों में सदस्यता बढ़ाने और सहकारिता के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जाएगा। सरकार की मंशा है कि जो भी ग्रामीण इन शिविरों में आए, उनका कार्य प्राथमिकता से उसी दिन पूरा किया जाए। यदि किसी कारणवश कोई कार्य उसी दिन संभव न हो, तो उसकी विभागवार सूची बनाकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

पशुपालन विभाग के 231 अधिकारी पदोन्नत

जयपुर । पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक तथा निदेशक स्तर के विभिन्न संवर्गो के कुल 231 पदों के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अयूब खान ने की। बैठक में शासन उप सचिव संतोष करोल, दिनेश कुमार शर्मा, संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक विभाग एवं पशुपालन विभाग के कार्यकारी निदेशक डॉ आनंद सेजरा भी उपस्थित थे।

बैठक में विभाग के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के दोनों पदों तथा अतिरिक्त निदेशक पद पर नौ अधिकारियों को पदोन्नत किया गया। इनके अलावा सामान्य तथा विशिष्ट अनुभाग के 51 अधिकारियों को संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नित दी गई।

राजस्थान को शहरी विकास व शिक्षा के लिये 1121 करोड़ रु. मिले, मुख्यमंत्री ने आभार जताया

उन्होंने कहा, इस राशि से शहरी आधारभूत ढांचे व शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिलेगी

जयपुर/नई दिल्ली, 12 सितंबर। राजस्थान सरकार को शहरी विकास और स्कूली शिक्षा क्षेत्र में केन्द्र सरकार से बड़ी आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार से इस सहयोग को प्राप्त करने के लिये वे पिछले दिनों शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल व शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मिले थे।

केन्द्रीय वित्त आयोग (शहरी) अनुदान के तहत राजस्थान को 541 करोड़ रुपये तथा समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय से 580 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इस प्रकार राज्य को कुल 1121 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शहरी आधारभूत ढांचे के विकास एवं स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि यह सहायता प्रदेश में शहरी परियोजनाओं को गति देने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार से इस सहयोग को प्राप्त करने के लिए उन्होंने हाल ही में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मुलाकात की थी, जिसमें प्रदेश की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई थी।

उन्होंने विश्वास जताया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से राजस्थान में विकास की रफ्तार और तेज होगी तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायत 6 माह में दर्ज होना अनिवार्य

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामले में शिकायत अधिकतम छह महीने में दर्ज करना अनिवार्य है।

न्यायमूर्ति पंकज मिथल और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय विधि विज्ञान विश्वविद्यालय (कोलकाता) के कुलपति द्वारा ऐसी घटनाओं के खिलाफ एक महिला संकाय सदस्य की याचिका को समय सीमा समाप्त होने के कारण खारिज करने के फैसले को बरकरार रखते हुए ये टिप्पणी की।

पीठ ने शिकायतकर्ता की याचिका पर अपने फैसला सुनाते हुए कहा, ''हमारा मानना है कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एलसीसी (स्थानीय शिकायत समिति) के उस फैसले को बहाल करने में कोई कानूनी त्रुटि नहीं की है, जिसमें अपीलकर्ता की शिकायत समय सीमा पार कर चुकी है और खारिज किए जाने योग्य है।'' न्यायमूर्ति मिथल ने फैसले में लिखा, ''गलती करने वाले को माफ करना उचित है, लेकिन गलती को भूलना नहीं चाहिए। अपीलकर्ता के खिलाफ जो गलती हुई है, उसकी तकनीकी आधार पर जांच नहीं की जा सकती।

बीकानेर में बैंच की संभावना पर जयपुर में वकीलों ने पैरवी नहीं की

केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुन मेघवाल के वायरल वीडियो की प्रतिक्रिया में सभी बार एसोसिएशन के वकील एकजुट रहे

जयपुर, 12 सितंबर। केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के वायरल वीडियो के बाद बीकानेर में हाईकोर्ट पीठ की स्थापना की आशंका पर शहर के वकीलों ने हाईकोर्ट सहित अधीनस्थ अदालतों में पैरवी नहीं की। इस दौरान अदालतों ने अधिकांश मामलों में सुनवाई टाल दी। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, द बार एसोसिएशन और द डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन की ओर से संयुक्त रूप से बैठक कर इस संबंध में निर्णय लिया गया था।

- वकीलों के पैरवी के लिये नहीं जाने पर निचली अदालतों में पीठासीन अधिकारियों ने मुकदमों में आगे की तारीख दी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव रमित पारीक ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के वायरल वीडियो से बीकानेर में हाईकोर्ट की पीठ की स्थापना को लेकर वकीलों में भ्रम पैदा हो गया है। ऐसे में एक दिन के लिए वकीलों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर अदालतों में पैरवी नहीं की। अदालत खुलने के बाद बार पदाधिकारी हाईकोर्ट के मुख्य द्वार के पास एकत्रित हो गए और इस दौरान वकीलों ने अदालतों से दूरी बनाए रखी। कुछ वकील जानकारी के अभाव में मुकदमों में पैरवी के लिए जाने लगे तो बार पदाधिकारियों ने उन्हें प्रकरण की जानकारी देकर पैरवी नहीं करने की गुजारिश की। इसके चलते अदालतों में बार एसोसिएशन का कोई सदस्य पैरवी के लिए नहीं गया।

द बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप लुहाडिया ने बताया कि वकीलों द्वारा पैरवी के लिए नहीं जाने पर निचली अदालतों के पीठासीन अधिकारियों ने मुकदमों में आगे की तारीख दी। इसी तरह अन्य अदालतों में भी वकीलों के नहीं जाने से कामकाज प्रभावित हुआ।

भारत सरकार सबसे बड़ी रक्षा डील की तैयारी में

नई दिल्ली, 12 सितंबर। रक्षा मंत्रालय को भारतीय वायुसेना से 114 'मेक इन इंडिया' राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद का प्रस्ताव मिला है। इस सौदे की कीमत दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। खास बात यह है कि ये विमान फ्रांस की डसॉ एविएशन कंपनी बनाएगी, लेकिन इसमें भारतीय एयरोस्पेस कंपनियों की भी अहम भूमिका होगी। मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर चर्चा शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, वायुसेना द्वारा तैयार किया गया स्टेटमेंट ऑफ केस (एसओसी) मंत्रालय को कुछ दिन पहले मिला है। अब इस पर रक्षा मंत्रालय की विभिन्न शाखाएं, जिसमें रक्षा वित्त भी शामिल है, विचार कर रही हैं। अगले चरण में यह प्रस्ताव रक्षा खरीद बोर्ड डीपीबी) और फिर रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) के पास जाएगा। इस प्रस्ताव को अगर मंजूरी मिल जाती है तो यह भारत सरकार का अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा होगा। इससे भारतीय रक्षा बलों के पास कुल 176 राफेल विमान हो जाएंगे। फिलहाल भारतीय वायुसेना के पास 36 राफेल हैं।

दिल्ली में ही क्यों, पूरे देश में बैन हों पटाखे

चीफ जस्टिस गवई ने कहा, पूरे देश में हवा खराब है, अगर पटाखों पर बैन लगे तो पूरे देश में लगे

नई दिल्ली, 12 सितंबर। दिवाली से पहले एक बार फिर पटखों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट नेशुक्रवार को पटाखों पर सिर्फ दिल्ली-एनसीआर में प्रतिबंध लगाए जाने पर सवाल उठाया है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पटाखों पर पूरे देश में प्रतिबंध लगाए जाने की बात पर जोर देते हुए कहा कि अगर एनसीआर के लोगों को साफ हवा का अधिकार है, तो बाकी शहरों के लोगों को क्यों नहीं? उन्होंने साफ कहा कि पटाखों को लेकर कोई भी नीति पूरे देश के लिए एक जैसी होनी चाहिए। सीजेआई ने आगे कहा कि हम सिर्फ दिल्ली के लिए नियम नहीं बना सकते, ऐसा नहीं हो सकता कि दिल्ली के लोग विशेष हैं। सीजेआई गवई ने आगे कहा किमैं पिछले साल अमृतसर में था, वहां की हवा दिल्ली से भी ज्यादा खराब थी।

- दिवाली से पहले फिर से पटाखों पर प्रतिबंध की मांग जोर पकड़ रही है।
- ज्ञातव्य है कि पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली एनसीआर में दिवाली पर पटाखों पर बैन लगाया जाता है और गतवर्ष दिसंबर में तो पूरे वर्ष के लिए पटाखे पर बैन लगा दिया गया था।

अगर पटाखों पर बैन लगाना है, तो पूरे देश में लगे। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्च कीटिप्पणी कावरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने समर्थनकरते हुए कहा कि अमीर लोग तो खुद का ख्याल रखते हैं, प्रदूषण बढ़ ता है तो दिल्ली छोड़कर बाहर चले जाते हैं। इसके बाद कोर्ट ने देशभर में पटाखों पर बैन लगाने की मांग वाली एक याचिका पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को नोटिस भेजा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणी दिवाली से पहले आई है।

समुद्री क्षेत्र पर नज़र रखने के लिए नया बेस, आईएनएस अरावली कमीशन हुआ

नयी दिल्ली, 12 सितम्बर। सूचना क्रांति के निरंतर बदलते दौर में भारतीय नौसेना ने अपने तमाम सूचना और संचार केन्द्रों के बीच तालमेल बढ़ ाने और समुद्री सुरक्षा तथा सहयोग को मजबूत बनाने के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गुरूग्राम में एक नए नौसैनिक अड्डे आईएनएस अरावली को कमीशन किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की मौजूदगी में कमीशन किया गया यह बेस समुद्री सीमाओं से दूर रहते हुए भी प्रौद्योगिकी के बल पर समुद्री क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर नजर रखेगा। इस बेस को नौसेना के कमान, नियंत्रण और समुद्री डोमेन जागरूकता नेटवर्क के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईएनएस अरावली के परिसर में ही नौसेना का इन्फॉर्मेशन फ्यूज़न सेंटर, इंडियन ओशन रीजन भी है, जो हिन्द महासागर की सभी समुद्री गतिविधियों पर पैनी नजर रखता है और इनकी वास्तविक समय पर जानकारी भी देता है। नौसेना प्रमुख ने इस अवसर पर कहा कि आईएनएस अरावली नौसैनिक अड्डों के बढ़ ते पैमाने और अत्याधुनिकीकरण के अनुरूप एक मजबूत प्रशासनिक और सैन्य सहायता का आधार प्रदान करता है, जिससे निर्बाध संचालन सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा, ''यह नया बेस न केवल प्रौद्योगिकी का केन्द्र होगा, बल्कि महासागरों के पार हमारे प्लेटफार्मों और साझेदारों को जोड़ने वाले सहयोग का भी केन्द्र होगा।

- गुरूग्राम में कमीशन हुए इस बेस से तमाम सूचना एवं संचार केन्द्रों के बीच तालमेल मजबूत बनेगा

ढाई साल के हिंसक दौर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और पीस ग्राउंड पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे। चुराचांदपुर का चयन इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह ज़िला हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक रहा है। इस हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की जान गई और हजारों लोग विस्थापित हुए। चुराचांदपुर से प्रधानमंत्री दोपहर करीब 2:30 बजे मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचेंगे, जहां वे 1,200 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। जहां चुराचांदपुर में कुकी समुदाय का वर्चस्व है, वहीं, इम्फाल में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय है। ऐसे में यह दौरा राजनीतिक संकेतों के लिहाज से संतुलन साधता हुआ दिखाई देता है। मुख्य सचिव गोयल ने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और तेज़ विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। राज्य सरकार और भारत सरकार की ओर से मैं मणिपुर की जनता से अपील करता हूं कि वे पीएम का स्वागत करें और बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में भाग लें।' मणिपुर में हिंसा 3 मई 2023 को उस वक्त शुरू हुई थी, जब पहाड़ी जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च निकाला गया था। यह मार्च मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में था। तब से प्रधानमंत्री द्वारा राज्य का दौरा न करने को लेकर विपक्ष लगातार सरकार की आलोचना करता रहा है। अगस्त 2023 में विपक्ष ने केन्द्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया था और मणिपुर मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की थी, लेकिन सरकार ने जवाबी हमला करते हुए पूर्वोत्तर में कांग्रेस की विफलताओं को उजागर किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने तब मणिपुर की जनता को आश्वस्त किया था कि देश उनके साथ है और शांति का रास्ता जल्द निकलेगा।

जब पीएम की इस यात्रा की अटकलें लग रही थीं, तो कुछ कांग्रेस नेताओं ने इसे ''बहुत देर से, बहुत कम'' बताया था। शुक्रवार को मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने कहा कि यह यात्रा ''सिर्फ एक प्रतीकात्मक कदम है।''

राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभापति का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उप राष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। राज्यसभा सचिवालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में राधाकृष्णन के उच्च सदन के सभापति का कार्यभार संभालने की जानकारी दी। राधाकृष्णन ने सुबह उप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल जाकर वहां स्थित देश की महान हस्तियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राजघाट जाकर राष्ट्रपति महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वह दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित जनसंघ के संस्थापक पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मारक, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वापजपेयी की समाधि सदैव अटल और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की समाधि किसान घाट भी गये और दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस बीच गृह मंत्रालय ने भी एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि उप राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद राधाकृष्णन देश के उप राष्ट्रपति पद पर आसीन हो गये हैं।

- इसी दौरान उपराष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद का प्रभार सौंपा।
- आरंभ से ही संघ से जुड़े राधाकृष्णन तमिलनाडु की भाजपा इकाई के अध्यक्ष भी रहे हैं।

अपनी नई जिम्मेदारी की तैयारी में राधाकृष्णन ने गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि की गई है। उनके इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

राधाकृष्णन अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। चार मई, 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक हैं। उन्होंने अपना सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और अब वह देश के उप राष्ट्रपति चुने गये हैं।

राधाकृष्णन ने सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और सन 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य बने। उन्हें 1996 में तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सचिव नियुक्त किया गया। वे 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। वर्ष 1999 में वे पुनः लोकसभा के लिए चुने गए। राधाकृष्णन ने 2004 में, संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। वह भारत से ताइवान गए पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी थे। राधाकृष्णन 2004 से 2007 के बीच, तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस पद पर रहते हुए, उन्होंने 93 दिनों तक चली 19,000 किलोमीटर की रथ यात्रा की। उन्होंने 31 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

झारखंड के राज्यपाल के रूप में उन्होंने करीब लगभग डेढ़ वर्ष तक कार्य किया। उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का कार्यभार भी संभाला। राधाकृष्णन अपने कॉलेज के दिनों में टेबल टेनिस में कॉलेज चैंपियन और लंबी दूरी के धावक थे। उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल का भी शौक था। राधाकृष्णन ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, सहित कई देशों की यात्रा की है।

नाबालिग लड़की से परिचित आरोपी द्वारा दुष्कर्म

जयपुर, 12 सितम्बर। करधनी थाना इलाके में 15 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपित परिचित ने डरा-धमकाकर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। प्रेग्नेंट होने पर नाबालिग के साथ दरिंदगी का पता चला। नाबालिग पीड़िता के पिता की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

- नाबालिग के पिता ने थाने में मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने बताया कि करधनी के रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 15 वर्षीय बेटी से परिचित युवक ने दुष्कर्म किया है। आरोप है कि परिचित होने के कारण आरोपित को नाबालिग बेटी जानती है। परिजनों की गैरमौजूदगी में आरोपित परिचित घर आया। घर में नाबालिग को अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर आरोपी ने डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे नाबालिग बेटी ने परिजनों को आपबीती नहीं बताई। पेट में दर्द की शिकायत पर डॉक्टर को नाबालिग बेटी को दिखाया। प्रेग्नेंट होने का पता चलने पर नाबालिग से पूछने पर उसने आरोपी परिचित की करतूत बताई। नाबालिग के साथ दरिंदगी का पता चलने पर पीड़िता के पिता ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

प्र.मंत्री की मां के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को इस नीचता से ऊपर उठना चाहिए। जनता इसका जवाब चुनाव में देगी। बिहार की जनता बेहद नाराज़ है।'' भाजपा के एक और प्रवक्ता अरविंद कुमार सिंह ने भी कहा कि यह वीडियो देश की माताओं की भावनाओं का मज़ाक उड़ाता है। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस ने पीएम मोदी की मां का एआई वीडियो जारी किया है। वे देश की करोड़ों माताओं की भावनाओं का अपमान कर रहे हैं। हमारे लिए मां, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती जैसी होती हैं। कांग्रेस नेताओं को तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

जगदीप छोकर, जिन्होंने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कानून की पढ़ाई भी पूरी की थी। छोक्कर केवल एक कानूनी रणनीतिकार नहीं थे; वे सच्चे लोकतंत्र के एक अथक प्रवक्ता भी थे। वे स्वच्छ राजनीति, पार्टी फंडिंग में पारदर्शिता और धनबल के खतरों पर खुलकर बोलते और लिखते थे।(जगदीप छोक्कर अपने पीछे न केवल एडीआर छोड़कर गये हैं, बल्कि साहस, स्पष्टता और लोकतांत्रिक जवाबदेही के प्रति उनकी अडिग प्रतिबद्धता की विरासत भी पीछे छोड़ गए हैं।

वे बेहद मिलनसार व्यक्ति भी थे। वे नवोदित पत्रकारों का धैर्यपूर्वक मार्गदर्शन करते थे तथा वे लोग उनके साथ बहुत सहज महसूस करते थे।

ब्लूटूथ से नकल कर चयनित दो और कनिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

दोनों आरोपियों ने नकल गिरोह के मास्टर माइंड से पांच-पांच लाख रुपये में सौदा किया था

जयपुर, 12 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से कनिष्ठ न्यायिक (सहायक लिपिक ग्रेड सेकंड और लिपिक ग्रेड सेकंड) के पदों पर सीधी भर्ती के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2022 में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कर चयनित हुए दो कनिष्ठ लिपिकों को गिरफ्तार किया गया है। एसओजी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों ही गिरफ्तार आरोपितों ने नकल गिरोह के मास्टरमाइंड से पांच-पांच लाख रुपए में सौदा किया था। दोनों पिछले छह माह से फरार चल रहे थे। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

- एसओजी द्वारा गिरफ्तार किया गया राकेश जाखड़ 8 माह से तथा ओमप्रकाश जाट 7 माह से फरार चल रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि ब्लूटूथ से नकल कर कनिष्ठ लिपिक बनने वाले आरोपी राकेश जाखड़ (24) और ओमप्रकाश जाट (30) को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपित कुचेरा जिला नागौर के रहने वाले हैं। कनिष्ठ लिपिक राकेश जाखड़ वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या-4 उदयपुर के पदस्थापित था, जो पिछले करीब 8 महीने से स्वैच्छिक रूप से अनुपस्थित होकर फरार चल रहा था। वहीं, अन्य आरोपित राकेश जाखड़ का छोटा भाई बीरबल जाखड़ भी इसी परीक्षा में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करके कनिष्ठ लिपिक के पद पर चयनित हुआ था।

बीरबल जाखड़ को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपित ओमप्रकाश जाट वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या-1 ब्यावर में पदस्थापित था। वह भी पिछले सात महीने से स्वैच्छिक रूप से अनुपस्थित होकर फरार चल रहा था। कनिष्ठ लिपिक ओमप्रकाश को ईओ-आरओ भर्ती परीक्षा-2022 ब्लूटूथ से नकल कर पास करने के आरोप में एसओजी ने अक्टूबर-2024 में गिरफ्तार किया था। सिंह ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से कनिष्ठ न्यायिक (सहायक लिपिक ग्रेड सेकेंड और लिपिक ग्रेड सेकेंड) के पदों पर सीधी भर्ती के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2022 का आयोजन किया गया था। अजमेर के गीत गणपति प्राइवेट आईटीआई में राकेश जाखड़ का परीक्षा सेंटर आया था और वहीं नागौर के श्रीमती रतन बहन राजमल चौधरी राजकीय बालिका सीनियर सैकंडरी स्कूल में ओमप्रकाश का परीक्षा सेंटर था।

नकल गैंग के मुख्य आरोपित पौरव कालेर ने मोबाइल के जरिए राकेश जाखड़ और ओमप्रकाश जाट को परीक्षा सेंटर में ब्लूटूथ डिवाइस से प्रश्न-पत्र के उत्तरों की नकल करवाई थी। नकल करवाने के लिए राकेश जाखड़ और ओमप्रकाश का पांच-पांच लाख रुपए में पौरव कालेर से सौदा तय हुआ था। ब्लूटूथ से नकल कर परीक्षा पास करने पर दोनों कनिष्ठ श्रेणी लिपिक (ग्रेड-द्वितीय) के पद पर चयनित हो गए।

दक्षिणपंथी नेता चार्ली कर्क का हत्यारा गिरफ्तार

वॉशिंगटन, 12 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली कर्क की हत्या के संदिग्ध को बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान के बाद हिरासत में ले लिया गया है। फॉक्स न्यूज को दिए एक लाइव स्टूडियो इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, ''आरोपी के किसी बेहद करीबी ने ही उसे पकड़वाया है।'' मुझे उम्मीद है कि उसे मौत की सजा मिलेगी। ट्रंप ने कहा कि अभी यह पता नहीं है कि संदिग्ध किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा था या नहीं। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, चार्ली कर्क की हत्या करने वाला 22 वर्षीय टायलर रॉबिन्सन है और वह यूटा का रहने वाला है। रॉबिन्सन के पिता ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।एफबीआई ने चार्ली कर्क की मौत के मामले में एक संदिग्ध का वीडियो जारी किया था। जांच कर रहे अफसरों ने कर्क की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया है। एफबीआई ने बताया था कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार एक हाई पावर्ड बोल्ट-एक्शन राइफल है। चार्ली कर्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद खास थे।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'हामी नेपाल' से जुड़े सुदीप गुरूंग कर रहे थे, ने न्यायाधीश कार्की का नाम प्रस्तावित किया। कार्की नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। उन्होंने राजनीतिक नेताओं के खिलाफ सख़्त कदम उठाए थे, जिस वजह से उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरू हुई थी, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया गया।

सुशीला कार्की का जन्म 7 जून 1952 को हुआ। वे आम जनता के लिए न्याय की आवाज़ रही हैं। 11 जुलाई 2016 को वे नेपाल की मुख्य न्यायाधीश बनीं और 6 जून 2017 तक इस पद पर रहीं।

- जब उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के रूप में राजनीतिज्ञों के भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त व मजबूत रुख बरकरार रखा, तो कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओ सेन्टर) तथा नेपाली कांग्रेस महाअभियोग (इमपीचमेंट) का प्रस्ताव लाये संसद में, पर जनता के व सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ''इमपीचमेंट'' की कार्यवाही रोकनी पड़ी थी, दोनों पार्टियों को।
- न्यायाधीश कार्की ने 1972 में नेपाल के महेन्द्र मोरंग कालेज से स्नातक की परीक्षा प्राप्त की, तदोपरान्त, बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी से पोलिटिकल साइन्स में एम.ए. किया, तथा फिर लॉ की पढ़ाई त्रिभुवन युनिवर्सिटी से करके न्यायिक सेवा से जुड़ीं।

भ्रष्टाचार और सरकार की गलत नीतियों पर उनके समझौता न करने वाले रुख के चलते, 30 अप्रैल 2017 को नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओ सेन्टर) और नेपाली कांग्रेस ने उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव मार्च 2017 में आए सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद आया, जिसमें सरकार द्वारा पुलिस प्रमुख के रूप में जया बहादुर चंद की नियुक्ति रद्द कर, नवराज सिलवाल को सही ठहराया गया था। हालांकि बाद में जनता के दबाव और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के चलते संसद को महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने से रोक दिया गया और यह प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। इस पूरी प्रक्रिया में कार्की ऐसी शख्सियत के रूप में सामने आईं, जो भ्रष्टाचार पर समझौता नहीं करतीं और किसी दबाव में नहीं झुकतीं।

इसी वजह से वे आम जनता में लोकप्रिय हो गईं। कार्की ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। 1972 में उन्होंने महेन्द्र मोरंग कॉलेज से कला स्नातक की डिग्री ली। इसके बाद वे भारत आईं और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से 1975 में राजनीति विज्ञान में परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। फिर वे त्रिभुवन विश्वविद्यालय लौटीं और 1978 में कानून की पढ़ाई पूरी की। अधिकांश नेपाली युवा उन्हें एक ऐसी कठोर और अडिग शख्सियत मानते हैं, जो कभी भ्रष्टाचार के आगे नहीं झुकीं।

मुख्य न्यायाधीश रहते हुए, उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख़्त रुख अपनाकर अपनी पहचान बनाई। अब उनके सामने यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे देश की संस्थाओं पर जनता का विश्वास बहाल करें और आने वाले महीनों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करें।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908